सावन, मास , वर्ष-10, अंक 146, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज शनिवार 17 अगस्त, 2024

TM

नगर संस्करण

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

10 वर्ष विश्वास के

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

कौशलं बलम्

NAINI ALLAHABAD

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज में न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियो का सर्वांगिन विकास होता है. केंद्र गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद्र के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियो का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द्र-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रोहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रों का सिकंदराबाद मे रेलवे में चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद में चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रो का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद्र का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

आधुनिक समाचार ™
हिन्दी दैनिक

क्राइस्ट चर्च कोलज में बड़े धूमधाम से मनाया गया 78 वाँ स्वतंत्रता दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। 78वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़े धूम धाम से मनाया गया। इस मौके पर पॉकेट को तिरंगे झंडों, गुब्बारों से सजाया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राकेश छत्री जी ने ध्वजा रोहड़ किया।सभी छात्र-छात्राऐं ने राष्ट्र गान गाकर भारत माता के जयकारों के साथ प्रभात फेरी निकाली । इस अवसर पर बोलते हुए प्रधानाचार्य राकेश छत्री जी ने कहा कि भारत माँ की स्वतंत्रता के लिए अमर शहीदों ने अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। अब हम सभी का कर्तव्य बनता है कि देश की एकता, अखन्डता, संप्रभुता को बनाये रखें। हमारा देश विभिन्न वेशभूषा, भाषाओं, धर्मो के होने के बावजूद अनेकता में एकता का सुन्दरतम उदाहरण है। देश को समृद्ध, शक्तिशाली एवं उननति के शिखर पर पहुँचाने के लिए हम सभी को अपना योगदान देना होगा।

78 वाँ स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर क्रिस्टी मेमोरियल स्कूल एंड कॉलेज में ध्वजा रोहड़ किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। 78वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़े धूम धाम से मनाया गया। इस मौके पर पॉकेट को तिरंगे झंडों, गुब्बारों से सजाया गया। इस अवसर पर श्री वीनोद बिहारी लाल जी ने ध्वजा रोहड़ किया।कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुए कहा हमारे देश के जाबाज लोगो ने अपनी जान की बाजी लगाकर देश की आजादी के लिए वर्षो तक संघर्ष किया लाखों लोगों ने अपना बलिदान दिया तब जाकर हमे यह आजादी मिली है हमारे स्वंत्रता संग्राम सेनानियो ने हमे आजादी दिलाने के लिए बड़ी कीमत चुकाई है जिसको हम कभी भुला नही सकते देश के लिए अपना सर्वस्त्व न्योछावर करने वाले अमर बलिदानी आज भी अपने त्याग बलिदान व विचारों से हमारे प्रेरणा के केंद्र है।

रेल प्रबंधक कार्यालय, प्रयागराज मण्डल में राष्ट्र का 78 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। 15 अगस्त, 2024 को मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, प्रयागराज मण्डल में राष्ट्र का 78 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ? मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज मण्डल, श्री हिमांशु बडोनी द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के दौरान मण्डल रेल प्रबंधक महोदय ने रेलवे सुरक्षा बल, भारत स्काउट एवं गाइड की परेड का निरीक्षण किया।

पुलिस प्रशासन ने निकाली तिरंगा यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। आजादी के अमृत महोत्सव पर पुलिस प्रशासन ने विशाल तिरंगा यात्रा निकाला सभी पुलिस के जवानों के हाथों में तिरंगा था वंदे मातरम का नारा लगा रहे थे आजादी के जुनून में झूम रहे थे तिरंगा यात्रा में व्यापारी व सभी वर्ग के लोग शामिल हुए तिरंगा यात्रा का अगुवाई एसीपी मनोज कुमार सिंह कर रहे थे कोतवाली इंचार्ज रोहित तिवारी शाहगंज खुल्दाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार वर्मा सभी थाने के अधिकारी चौकी इंचार्ज कोतवाली शाहगंज खुल्दाबाद बादशाही मंडी के सभी पुलिस के जवान तिरंगा यात्रा में शामिल हुए तिरंगा यात्रा खुल्दाबाद थाना से निकलकर मरकरी चौराहा गुरुद्वारा नखास कोहना कोतवाली बजाज पट्टी चौक जॉनसन गंज लीडर रोड स्टेशन होते हुए खुल्दाबाद थाने पर संपन्न हुई।

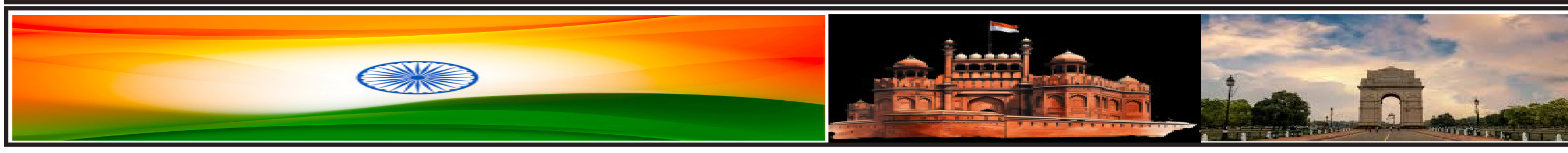

भारत

संक्षिप्त समाचार

केंद्र ने अनीश दयाल सिंह को सौंपा एनएसजी के महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सीआरपीएफ के महानिदेशक अनीश दयाल सिंह को राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के महानिदेशक पद का अतिरिक्त

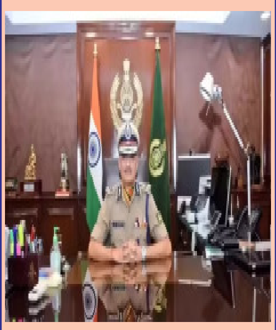

प्रभार सौंपा है। अनीश दयाल सिंह नलिन प्रभात की जगह अपनी भूमिका निभाएंगे। दयाल 1988-बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। इससे पहले अनीश दयाल सिंह आईटीबीपी के महानिदेशक रह चुके हैं।एनएसजी के महानिदेशक नलिन प्रभात को जम्मू-कश्मीर पुलिस का विशेष महानिदेशक बनाया गया है। गुरुवार को गृह मंत्रालय ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया। एक दिन पूर्व ही उन्हें समय से पूर्व एनएसजी के महानिदेशक के पद से समय पूर्व मुक्त कर एजीएमयूटी (अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मिजोरम एवं केंद्र शासित प्रदेश) कैडर में प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया था जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष महानिदेशक पद पर उनका प्रभार 30 सितंबर तक रहेगा। 30 सितंबर को वर्तमान पुलिस महानिदेशक आरआर स्वैन की सेवानिवृत्ति के बाद एक अक्टूबर से वह राज्य पुलिस के महानिदेशक का प्रभार संभालेंगे।

असम में 24 जगहों पर बम की सूचना से हड़कंप, चप्पा-चप्पा छान रही पुलिस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
गुवाहाटी। असम में उस समय हड़कंप मच गया जब कई जगह पर बम लगाने की बात सामने

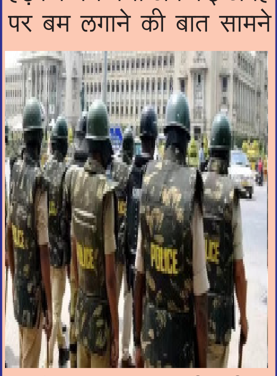

आई। दरअसल, प्रतिबंधित उल्फा-आइ ने गुरुवार को राज्य में 24 स्थानों पर बम लगाने का दावा किया। इसके बाद सुरक्षा बलों ने विस्फोटकों की तलाश के लिए टीमें भेजी। हालांकि नगांव, लखीमपुर और शिवसागर के कुछ स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने दावा किया कि उन्होंने आठ स्थानों से कुछ बम जैसी सामग्री बरामद की है। 24 स्थानों में से आठ स्थान गुवाहाटी में हैं। इनमें दिसपुर में स्थित असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और अन्य मंत्रियों के आधिकारिक आवासों के पास एक खुला मैदान भी शामिल है। एक अन्य स्थान गुवाहाटी के नरेंगी में सेना छावनी की ओर जाने वाली सतगांव सड़क है।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि, राष्ट्रपति मुर्मु और पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। भारत रतन और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की आज पुण्यतिथि है। इस मौके पर मौजूद थे। भाजपा के आधिकारिक हैंडल पर एक्स पर पोस्ट किया गया, ठपूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न, हमारे प्रेरणा स्रोत, और आर्थिक रूप से मजबूत किया। शाह ने ट्वीट किया, भारत रतन से सम्मानित अटल जी को उनकी पुण्यतिथि पर मैं अपनी भावभीनी

पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उनके स्मारक 'सदैव अटल' पर श्रद्धांजलि अर्पित की। सदैव अटल जाकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने भी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। वाजपेयी की दत्तक पुत्री नमिता कौल भट्टाचार्य भी पूर्व प्रधानमंत्री की समाधि 'सदैव अटल' पर प्रार्थना सभा में शामिल हुई। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर भी पूर्व पीएम वाजपेयी को श्रद्धांजलि देने के लिए 'सदैव अटल' स्मारक श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि।ठ केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने पूर्व पीएम वाजपेयी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के तौर पर उन्होंने देश को सामरिक और आर्थिक रूप से मजबूत किया। जब भी देश में राजनीतिक शुचिता, राष्ट्रहित के प्रति निष्ठा और सिद्धांतों के प्रति अडिगता की बात होगी, अटल जी को याद किया जाएगा। एक तरफ उन्होंने भाजपा की स्थापना के जरिए राष्ट्रहित की विचारधारा को लोकप्रिय बनाया, वहीं प्रधानमंत्री के तौर पर उन्होंने देश को सामरिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। 1924 में ग्वालियर में जन्मे वाजपेयी दशकों तक भाजपा का चेहरा रहे और वह पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे जिन्होंने अपना कार्यकाल पूरा किया। वाजपेयी 16 मई 1996 से 1 जून 1996 तक और फिर 19 मार्च 1998 से 22 मई 2004 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे। उन्होंने 1977 से 1979 तक प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के मंत्रिमंडल में भारत के विदेश मंत्री के रूप में भी कार्य किया। 16 अगस्त 2018 को दिल्ली के एम्स अस्पताल में उनका निधन हो गया।

इसरो रचेगा इतिहास धरती की निगरानी के लिए ईओएस-08 का प्रक्षेपण काउंटडाउन शुरू

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
तिरुपति। धरती की निगरानी के लिए ईओएस-8 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से शुक्रवार सुबह लांच किया जाएगा। इसरो लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) की तीसरी और अंतिम विकासात्मक उड़ान के जाता है। एसएसएलवी-डी3-ईओएस-08 मिशन में ले जाए गए उपग्रहों का वजन 175.5 किलोग्राम है। ईओएस-08 मिशन के उद्देश्यों में माइक्रोसेटेलाइट को डिजाइन और विकसित करना शामिल है। ईओएस-08 तीन पेलोड ले जाएगा। इनमें इलेक्ट्रो आप्टिकल

इन्फ्रारेड पेलोड (ईओआइआर), ग्लोबल नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम-रिफ्लेक्टोमेट्री पेलोड (जीएनएसएस-आर) और सीआइसी यूवी डोसीमीटर शामिल हैं। यह उपग्रह आपदा निगरानी, पर्यावरण निगरानी करेगा ईओआइआर पेलोड को जरिये पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओएस-08 को प्रक्षेपित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह एसएसएलवी-डी3 की तीसरी और अंतिम विकासात्मक उड़ान होगी। एसएसएलवी डी3 के प्रक्षेपण से पहले गुरुवार को इसरो के विज्ञानियों ने तिरुपति बालाजी मंदिर में पूजा-अर्चना की।एसएसएलवी राकेट 34 मीटर लंबा होता है। इसका उपयोग 500 किलोग्राम तक वजन वाले उपग्रहों (मिनी, माइक्रो या नैनो उपग्रह) को स्थापित करने के लिए किया उपग्रह आधारित निगरानी, आपदा निगरानी, पर्यावरण निगरानी के लिए तस्वीरें खींचने के लिए डिजाइन किया गया है। जीएनएसएस-आर समुद्र की सतह की हवा का विश्लेषण, मिट्टी की नमी का आकलन, बाढ़ का पता लगाने के लिए रिमोट सेंसिंग क्षमता प्रदर्शित करेगा। एसआइसी यूवी डोसीमीटर गगनयान मिशन में पराबैंगनी विकिरण की निगरानी करेगा। एसआइसी यूवी डोसीमीटर गगनयान मिशन में पराबैंगनी विकिरण की निगरानी करेगा।

पीएम मोदी न्यूयॉर्क में भारतवंशियों को करेंगे संबोधित, संयुक्त राष्ट्र महासभा में भी देंगे भाषण

न्यूयॉर्क। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले महीने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका का दौरा करने वाले हैं। इस दौरान वह भारतीय-अमेरिकी समुदाय के एक कार्यक्रम सामुदायिक कार्यक्रम के लिए तैयारियां चल रही हैं। प्रधानमंत्री ने दस वर्ष पहले सितंबर 2014 में न्यूयार्क के प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में भारतवंशियों के एक बड़े कार्यक्रम को संबोधित किया

को संबोधित भी करेंगे। भारतवंशियों का यह कार्यक्रम न्यूयॉर्क के लांग आइलैंड के नासाउ कलेजियम में 22 सितंबर को होगा। इस बहुउद्देश्यीय इनडोर स्टेडियम में 16 हजार लोगों के बैठने की क्षमता है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी वक्ताओं की अनंतिम सूची के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी 26 सितंबर को यहां संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित करेंगे। यह सत्र 24 से 30 सितंबर तक चलेगा। कार्यक्रम के लिए तैयारियां चल रही हैं सूत्रों के अनुसार, लांग आइलैंड में था।पीएम मोदी का यह कार्यक्रम पहली बार प्रधानमंत्री पद संभालने के कुछ महीने बाद हुआ था। उस समय भी वह संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका दौरा किया था। 2019 में ह्यूस्टन में भारतवंशियों को किया था संबोधित इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने 2019 में ह्यूस्टन के एनआरजी स्टेडियम में भारतवंशियों के 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम को संबोधित किया था। इसमें तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल हुए थे।

सरकारी अस्पतालों में जारी रहेगी डॉक्टरों की हड़ताल,आज इंडिया गेट तो कल जंतर मंतर पर होगा प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में जूनियर महिला रेजिडेंट डॉक्टर से सामूहिक दुष्कर्म व हत्या की घटना के विरोध में रेजिडेंट डाक्टरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी। इस वजह से शुक्रवार को भी एम्स, सफदरजंग, आरएमएल, लोकनायक, जीबी पंत सहित दिल्ली के सभी सरकारी अस्पतालों में इमरजेंसी को छोड़कर ओपीडी, नियमित सर्जरी व अन्य सभी चिकित्सा सुविधाएं प्रभावित रहेंगी एक बार फिर हड़ताल पर जाने का एलान किया है। साथ ही, शुक्रवार शाम छह बजे इंडिया गेट के पास कैंडल मार्च बुलाया है।फेडरेशन एसोसिएशन (आइएमए) व दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए) से भी इस कैंडल मार्च में शामिल होने की अपील की है। इस वजह से निजी अस्पतालों के डॉक्टर भी इसमें शामिल हो सकते हैं। डीएमए ने आइएमए के अध्यक्ष डा. आरवी अशोकन से निजी अस्पतालों में भी हड़ताल घोषित करने की सिफारिश की। इसके बाद आइएमए ने सभी राज्यों की अपनी शाखाओं के पदाधिकारियों के साथ गुरुवार शाम वर्चुअल मीटिंग कर शनिवार को देश भर के सरकारी

फेडरेशन आफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) ने मंगलवार को हड़ताल वापस लेने की घोषणा की थी, लेकिन बुधवार देर रात कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कालेज में हमले और तोड़फोड़ से डाक्टरों का आक्रोश और बढ़ गया। फोर्डा ने भी हड़ताल वापसी की अपनी घोषणा से पीछे हटते हुए ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआइएमए) ने शनिवार को शाम पांच बजे लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज (एलएचएमसी) से जंतर मंतर तक कैंडल मार्च की घोषणा की है, जिसमें दिल्ली के सभी सरकारी अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टर शामिल होंगे। दोनों संगठनों ने इंडियन मेडिकल अस्पतालों के साथ-साथ निजी अस्पतालों में भी हड़ताल करने का फैसला लिया है। इसलिए शनिवार को सुबह छह बजे से निजी अस्पतालों में भी डॉक्टर 24 घंटे के लिए हड़ताल पर रहेंगे। रेजिडेंट डॉक्टरों के संगठनों ने कहा है कि बंगाल सरकार डाक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों को सुरक्षा देने में नाकाम रही है।

झिरगा डंडी खेल मैदान में आयोजित हुआ कबड्डी प्रतियोगिता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
डाला सोनभद्र। स्थानीय विकास खण्ड चोपन क्षेत्र अंतर्गत ग्राम प्रतिनिधि अमरेश यादव द्वारा पुरस्कार पुरस्कृत किया इस दौरान गांव के नन्द लाल यादव, धनंजय

पंचायत पडरछ में स्थित झिरगा डंडी खेल मैदान में कबड्डी प्रतियोगिता कार्यक्रम बृहस्पति वार को प्रधान प्रतिनिधि अमरेश यादव के द्वारा आयोजित किया गया जिसमें ग्राम सभा समस्त युवाओं ने बढ़ चढ़ हिस्सा लेते हुए अपनी-अपनी प्रतिभा दिखाया। जहा गांव के उपस्थित लोगों ने खिलाड़ियों का हौसला अफजाई किया वहीं कबड्डी के दोनों पाहो के खिलाड़ीयों को प्रधान यादव हरिओम, कमलेश धीरज दिनेश राम लखन यादव पोटर मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

140 करोड़ भारतीयों को बांग्लादेश के हिंदुओं की चिंता 'पीएम मोदी बोले- जल्द हालात सामान्य होने की उम्मीद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को उम्मीद जताई कि हिंसा प्रभावित बांग्लादेश में हालात जल्द ही सामान्य होंगे। उन्होंने

कहा कि 140 करोड़ भारतीय पड़ोसी देश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लालकिले से अपने संबोधन में कहा कि भारत शांति के लिए प्रतिबद्ध है और वह बांग्लादेश की विकास यात्रा में उसका शुभचिंतक बना रहेगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक हफ्ते में दूसरी बार बांग्लादेश के हिंदुओं का मुद्दा उठाया है। गुरुवार को 78वें गणतंत्र दिवस पर पीएम मोदी ने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों को बांग्लादेश के हिंदुओं की चिंता है। उन्होंने कहा कि भारत शांति के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम ने बांग्लादेश में जल्द ही हालात सामान्य होने की उम्मीद जताई।मोदी ने कहा कि बांग्लादेश में जो कुछ हुआ है उसको लेकर पड़ोसी देश के नाते हमें चिंतित होना स्वाभाविक है। मैं आशा करता हूं कि वहां हालात जल्द सामान्य होंगे।

तिरंगे की शान कभी झुकने नहीं देंगे हम :एसपी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। गुरुवार को 78 वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर डॉ0 इस दौरान कालू सिंह अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी अपर पुलिस अधीक्षक

यशवीर सिंह पुलिस अधीक्षक द्वारा कैम्प कार्यालय पर राष्ट्रगान का गायन करते हुए ध्वजारोहण किया गया तथा राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गयी एवं मिष्ठान वितरित किया गया। इसके उपरान्त पुलिस अधीक्षक द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में राष्ट्रगान का गायन करते हुए ध्वजारोहण किया गया एवं राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को सलामी दी गयी तथा समस्त पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण को शपथ दिलाई गयी। (ऑपरेशन), संजीव कटियार क्षेत्राधिकारी सदर, मुहम्मद नदीम प्रतिसार निरीक्षक सोनभद्र सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के उपरान्त महोदय द्वारा सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा पूर्वक अपने दायित्वों व कर्तव्यों के निर्वहन हेतु प्रेरित किया गया तथा महोदय ने अपने वक्तव्य में कहा कि पुलिस बल एक अनुशासित बल है जिसके कन्धों पर बहुत सारी जिम्मेदारियां होती है, हम सबको चुनौतीपूर्ण दायित्वों को पूर्ण जिम्मेदारी के साथ निभाना होता है। हमें अपने आपको हमेशा ऊर्जावान रखते हुए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते रहना है। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सम्पूर्ण सोनभद्र पुलिस परिवार को उनके द्वारा किए गए कड़ी मेहनत व सार्थक प्रयासों के लिए बधाई दी गयी जिसके फलस्वरूप जनपद में धार्मिक आयोजन/त्यौहारों, काँवड़ यात्रा, जुलूस आदि चुनौतीपूर्ण कार्यक्रम सकुशलता से सम्पन्न हुए। महोदय द्वारा सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण को गृह मन्त्रालय भारत सरकार तथा पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा प्रदत्त पदक एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। अन्त में पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस परिवार के प्रत्येक सदस्यों के साथ ही समस्त जनपद व देश वासियों को 78वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं व बधाई देते हुए उपस्थित सभी पुलिसकर्मियों को मिष्ठान वितरित किया गया।

गोल्फसिटी सेक्टर-75 में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नोएडा। सेक्टर-75 स्थित गोल्फसिटी सोसाइटी प्लॉट-8 में अपार्टमेंट ऑनर्स एसोसिएशन ने स्वतंत्रता दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया,जिसमें सैकड़ों सेक्टरवासी सम्मिलित हुए।सर्वप्रथम अपार्टमेंट ऑनर्स एसोसिएशन के संरक्षक मुनन कुमार शर्मा,अध्यक्ष प्रभात कुमार,उपाध्यक्ष अनमोल सिंह,सचिव शकुंतला कुमारी,कोषाध्यक्ष उत्पल कुमार,सदस्य मल्लिकेश्वर झा,अतुल जैन,प्रभा अग्रवाल,एसकेराय,सुमिता गुप्ता,आदि ने ध्वजारोहण किया।संरक्षक मुनन कुमार शर्मा ने सभी सेक्टरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी तथा कहा कि आज हमें देश की एकता ,अखंडता और संप्रभुता को अक्षुण्ण रखने का संकल्प लेना चाहिये।हम फिर से अखंड भारत का निर्माण करेंगे।हमें भारत को पुनः विश्वगुरु बनाना है।हमें जाति,वर्ग,संप्रदाय की भावना से ऊपर उठकर देश को मजबूत और समृद्ध बनाना है।ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान गाया गया और पूरे सेक्टर में तिरंगा यात्रा निकाली गई,जिसमें सैकड़ों सेक्टरवासी सम्मिलित हुए। राजीव त्यागी के नेतृत्व में बच्चों,महिलाओं,पुरुषों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस अवसर पर सुनील अग्रवाल, पुनीत अग्रवाल, डॉ.शशांक शेखर, वाई. सिंह, केएनभटनागर, आरबी यादव, कमलेश पांडेय सहित सैकड़ों सेक्टरवासी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यालय में हर्षोल्लास से कार्यक्रम संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। माँ वैष्णो मॉर्डन पब्लिक स्कूल, रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र में 15 अगस्त 2024 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक रमाशंकर दुबे प्रधानाचार्य सत्य देव कुमार श्रीवास्तव, शिक्षकगण, अभिभावक, तथा छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण से हुई, जिसे विद्यालय के प्रबंधक रमाशंकर दुबे ने किया। इसके बाद सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्रगान गाकर मातृभूमि के प्रति अपने सम्मान को प्रकट किया। प्रधानाचार्य श्री सत्य देव कुमार श्रीवास्तव ने इस महत्वपूर्ण

अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, ठस्वतंत्रता दिवस न केवल हमारे देश की आज़ादी का प्रतीक है, बल्कि यह हमें यह भी याद दिलाता है कि हमें अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए इस आज़ादी की रक्षा करनी है।शिक्षकों और छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से देशभक्ति की भावना को उजागर किया। नाटक, गीत, नृत्य और भाषण प्रतियोगिताओं ने पूरे माहौल को जोश से भर दिया। इसके अलावा, विद्यालय ने स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों को श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के साथ हुआ, जिसके बाद सभी अभिभावकों, शिक्षकों, और छात्रों को मिठाइयाँ वितरित की गईं।

फहराए गए तिरंगा पौध रोपण कर दिलाई शपथ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। 15 अगस्त गुरुवार को सदर ब्लाक परिसर में मुख्य अतिथि सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत के नेतृत्व में ध्वजारोहण कर डाला गया महापुरुषों के जीवन पर प्रकाश। सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि 15 अगस्त 1947 को हमारा देश आजाद हुआ जिसकी आजादी दिलाने के लिए देश के तमाम हमारे बीच सबूत व महापुरुषों की बलिदान से मिली हमें यह आजादी के दिन हम सबको खुशियां दिलाने का काम करेंगे वहीं ध्वजारोहण के बाद सदर ब्लाक प्रमुख परिसर में पौधारोपण कर वहां मौजूद सभी कर्मचारियों को पर्यावरण संतुलन बनाए रखने व उसके संरक्षण के लिए शपथ दिलाया इस मौके पर सेक्रेटरी दिनेश कुमार,सन्तोष दुबे , बड़े बाबू ओमप्रकाश, अमन वर्मा सहित आप लोग मौजूद रहे।

151 मीटर लंबी तिरंगा यात्रा, लोगों में दिखा देशभक्ति का जोश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। स्वतंत्रता दिवस पर उद्भव सेवा समिति ट्रस्ट की ओर से 151 मीटर लंबी तिरंगा का कार्यक्रम संपन्न हुआ। विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा चौथे वर्ष तिरंगा यात्रा संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सोनभद्र के एसपी

यात्रा निकाली गई। यात्रा बढ़ौली चौराहा से महिला थाना होते हुए मेन चौक (शीतला मंदिर) पहुंची। यहां से नगर भ्रमण करते हुए बढ़ौली चौराहा वापस एवं उसके बाद मंडी समिति में राष्ट्रगान के बाद समापन कालू सिंह द्वारा तिरंगा गुब्बारा उड़ाकर शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में सोनभद्र नगर के काफी संख्या में लोग शामिल रहे। संस्था के अध्यक्ष राजेश जायसवाल ने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों एवं सोनभद्र के सभी नागरिकों को देश प्रेम की भावना के साथ इस प्रकार के कार्यक्रम में हमेशा उपस्थित रहना चाहिए, जिससे आने वाले पीढ़ी को देश प्रेम से जोड़ा जा सके। सचिव अरविंद पांडे एवं कोषाध्यक्ष मनोज मौर्य की ओर से सभी नागरिकों से अपील की गई कि देश प्रेम के साथ पर्यावरण संतुलन के लिए वृक्ष लगाने का कार्य हर कोई करें। महामंत्री गोविंद केसरी एवं अनिल सोनी ने उद्भव सेवा समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन एवं मीडियाकर्मियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। संगठन मंत्री कमल सिंह एवं संयोजक श्याम बाबू ने कहा नगर के अन्य लोग हमारी संस्था से जुड़कर समाज सेवा का कार्य कर सकते हैं।

मिर्ज़ापुर

सोनभद्र

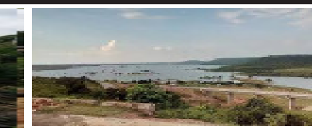

बीमारियों से बचाव को लेकर गोष्ठी में ग्रामीणों को किया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। मुसहर बस्ती ग्राम तीनताली, ब्लाक ककराही में बुधवार के बीच मच्छरदानी का वितरण कर संदेश दिया कि मलेरिया एवं डेंगू जैसी खतरनाक बीमारियों से बचाव

को ग्राम वासियों को विभिन्न प्रकार की बीमारियों विशेषकर जल जनित एवं मच्छर जनित बीमारियों से बचाव के बताए गए उपाय। डायरिया, डेंगू, मलेरिया के जाँच एवं उपचार की दी गई जानकारी। ग्राम प्रधान तीनताली संतोष वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक, विधान सभा घोरावल के प्रतिनिधि सुरेंद्र ने संचारी रोगों से ग्राम वासियों को सतर्क किया। उन्होंने मुसहर बस्ती के निवासियों संभव है। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्साधिकारी ककराही डॉक्टर गुरू प्रसाद ने लोगों को उचित खानपान की सलाह दी। कार्यक्रम स्थल पर चिकित्सा शिविर भी लगाया गया। ग्राम प्रधान तीनताली संतोष वर्मा ने ग्राम में साफ-सफाई तथा नशा मुक्ति के लिए लोगों को प्रेरित किया साथ ही राष्ट्रीय ध्वज का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला मलेरिया अधिकारी धर्मेंद्र श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में शिखा, अमरनाथ इत्यादि उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जी सिंह विधि महाविद्यायालय के परिसर में ध्वजारोहण किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जी सिंह विधि महाविद्यालय के परिसर में ध्वजारोहण किया गया हर साल की भांति इस वर्ष भी कॉलेज के डायरेक्टर प्रदीप सिंह जी ने ध्वजारोहण किया और वहां पर कॉलेज के बच्चे और कॉलेज प्रोफेसर उपस्थित रहे , झंडारोहण के बाद कॉलेज के डायरेक्टर की ओर से देश के नाम और बच्चों को संदेश दिया उन्होंने बोला यह बच्चे ही कल के भविष्य हैं और इन्हीं को देश को आगे चलकर संभालना है आसपास के क्षेत्र में हमारा कॉलेज समय-समय पर काफी सोशल कार्यक्रम करता है और शैक्षणिक टूर भी बच्चों को ले जाता है और आखिर में उन्होंने देश के नाम और उन वीर जवानों को नमन किया और एक संदेश दिया ठआओ झुककर सलाम करें उन्हें,जिनके हिस्से में ये मुकाम आता है खुशनसीब होता है वो खून,जो देश के काम आता है वहां पर मौजूद रहे कॉलेज के प्रिंसिपल पीसी सरोज वाइस प्रिंसिपल आशुतोष शुक्ला फैकल्टी मेंबर में रुचि नारायण विजय कुमार विवेक कुमार प्रदीप कुमार और सभी गण सदस्य वहां के बच्चों में उपस्थित रहे विनोद कुमार शर्मा ऋषभ मिश्रा,प्रीति,कृष्ण कुमार, शिवजीत यादव, साक्षी, शिवम और अन्य बच्चे उपस्थित रहे कार्यक्रम के समापन के बाद बच्चों के लिए स्वल्पआहार की व्यवस्था थी।

उद् भव सेवा समिति ट्रस्ट द्वारा 151 मी तिरंगा ध्वज पदयात्रा राष्ट्रगान के बाद समापन का कार्यक्रम संपन्न हुआ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। विगत 3 वर्षो की भांति इस वर्ष 15 अगस्त 2024 को उद् भव सेवा समिति ट्रस्ट द्वारा 151 मी तिरंगा ध्वज पदयात्रा बढौली चौराहा से महिला थाना होते हुए मेन चौक (शीतला मंदिर) से होते हुए नगर भ्रमण करते हुए बढौली चौराहा वापस एवं उसके बाद मंडी समिति में राष्ट्रगान के बाद समापन का कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा तिरंगा यात्रा चौथा वर्ष संपन्न हुआ इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री कालू सिंह जी द्वारा तिरंगा गुब्बारा उड़ाकर शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में सोनभद्र नगर के सभी सम्मानित गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे। संस्था सभी का आभार व्यक्त करता है। संस्था के अध्यक्ष राजेश जायसवाल ने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों एवं सोनभद्र नगर के सभी नागरिकों को देश प्रेम की भावना के साथ इस प्रकार के कार्यक्रम में हमेशा उपस्थित रहना चाहिए, जिससे आने वाले पीढ़ी को देश प्रेम से लगाव रहे। सचिव अरविंद पांडे एवं कोषाध्यक्ष मनोज मौर्य जी का सभी नागरिकों से अपील है कि देश प्रेम के साथ पर्यावरण संतुलन के लिए वृक्ष लगाने का कार्य हर कोई करें। महामंत्री गोविंद केसरी एवं अनिल सोनी ने कहा कि उद् भव सेवा समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन एवं मीडिया बंधुओं के सहयोग के लिए हम उनका हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। संगठन मंत्री कमल सिंह एवं संयोजक श्याम बाबू ने कहा नगर के अन्य लोग हमारी संस्था से जुड़कर समाज सेवा का कार्य कर सकते हैं। संस्था के अमित वर्मा, आनंद गुप्ता, दिनेश सिंह, प्रतीक केसरी, शिवम केसरी, गणेश केसरी, मुकेश जायसवाल, प्रशांत जैन, अमित अग्रवाल, मुकेश मौर्य एवं डॉक्टर एस. रमन त्रिपाठी सभी का कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान रहा।

अर्धनारिश्वर महादेव का श्रृंगार बिखेर रहा आकर्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। विगत वर्षों की भांति इस

वर्ष भी सावन के आखिरी बुद्धवार को होने वाला बरैला महादेव का दो दिवसीय श्रृंगार महोत्सव बरैला बाबा भोले नाथ श्रृंगार समिति द्वारा आयोजित किया गया। बाबा भोले नाथ का अर्धनारीश्वर मनोहारी श्रृंगार अपनी अनुपम छंटा बिखेर रहा था। श्रद्धालु भक्तों का महादेव का दर्शन पूजन का क्रम अनवरत चलता रहा। सुबह 8 बजे आरती और जलेबी चना हलवा के प्रसाद के साथ श्रृंगार दर्शन शुरू हुआ। इस दौरान चोपन के रामायाणियों द्वारा रामायण पाठ भजन, कीर्तन, कजरी का गायन कार्यक्रम कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर गायकों ने 'नमो नमो श्रीशंकरा, भोले नाथ शंकरा। तेरे जाप के बिना चले ये सांस किस तरह।। तथा "कोई कहे तू काशी में है, कोई कहे कैलाश, जब जब तुझे पुकारा बाबा तू था मेरे पास" और 'हम दीवाने महादेव के हम दीवाने, तेरी माया न जाने बाबा हम हैं तेरे दीवाने', और 'जयकाल महाकाल विकराल शंभू, जीवन हो मृत्यु दोनो ही तुम हो', एवं शिव समाये मुझमे और मै शून्य हो रहा हूं। क्रोध को लोभ को मै भस्म कर रहा हूं। जैसे अनेक भजन कीर्तन. गाये गये। जिससे माहौल आध्यात्मिक बना रहा। देर रात्रि तक श्रद्धालु भक्तो का तांता लगा रहा। इस दौरान, बुदियां, हलवा, पूड़ी, चना, मालपुआ, जलेबी, गुलाब जामुन, पेड़ा इत्यादि का प्रसाद भक्तों में वितरित किया गया। 15 अगस्त,2024 बृहस्पतिवार को दोपहर बाद भव्य हवन और महाप्रसाद वितरण के साथ बरैला महादेव के दो दिवसीय श्रृंगार महोत्सव का समापन होगा। श्रृंगार कार्यक्रम में समिति के संयोजक विकास वर्मा, जेबी सिंह, राजेन्द्र कुमार केशरी, संजय जायसवाल, श्याम सुन्दर केशरी, रामप्रसाद यादव, अजीत जायसवाल, सौरभ अजय सिंह, अतुल, नन्दलाल केशरी, अशोक श्रीवास्तव, मुन्नू पहलवान, केदार, विभम सिंह, अशोक विश्वकर्मा, अमित वर्मा, संदीप चौरसिया, हरिहर केशरी, किशन केशरी, संदीप केशरी सोनू, देवाशीष, दिव्यांश जायसवाल, नन्दकिशोर, सुनील विश्वकर्मा इत्यादि सहयोगी समाजसेवी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में होटल लॉन के कमरे में युवक की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रावटसगंज कस्बा चौकी क्षेत्र के सिविल लाइन रोड स्थित एक होटल लान में बुधवार दोपहर बाद 25 वर्षी युवक का सन्दिग्ध परिस्थितियों में मिला शव जांच में जुटी पुलिस। जानकारी के अनुसार ओम प्रकाश 25 वर्षी पुत्र स्वर्गीय राम लाल दुबे निवासी कोरहथा थाना शाहगंज जो पिछड़े कुछ महीनो से बाहर घर से कमाने गया हुआ था कुछ दिन पहले आया हुआ था मंगलवार दोपहर भोजन कर अपने कमरे में सोने गया फिर सुबह देर तक नहीं उठा तो वहां के कर्मचारी मौके पहुंचकर खिड़की के माध्यम से आवाज दिए आधे घंटे तक कोई जवाब नहीं मिला तो पुलिस को घटना की सूचना दिया मौके पहुंचे कस्बा चौकी इंचार्ज ने वीडियो ग्राफी के मौजूदगी में दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे तो देखा कि बिस्तर पर शव पड़ा हुआ था वही उसके जेब से

तलाशी ली गई तो आईडी प्रूफ मिला जिसके आधार पर परिजनों से संपर्क किया गया तो उनके द्वारा बताया गया कि वह नशा पत्ती करता है जिसकी वजह से हम लोगों से कोई मतलब नहीं है हालांकि आप लोगों द्वारा सूचना मिला है तो आप लोग अपना कार्य करें हम लोग भी मौके पर पहुंच रहे हैं वही चौकी प्रभारी ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई में जुटे।

देश की तरक्की, खुशहाली में युवाओं का योगदान जरूरी- एमआर पाठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। धर्मा फाउन्डेशन द्वारा संचालित नशा मुक्ति केन्द्र द्वारा

स्वतंत्रता दिवश के अवशर पर रावट्र्सगंज स्थित संस्था कार्यालय पर 78 वां स्वतंत्रता दिवश धूमधाम से मनाया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में काशी हिन्दू विश्व विद्यालय के सेवा निवृत्त सब रजिस्टार मार्कन्डेय राम पाठक द्वारा ध्वजा किया गया जिसमें फाउंडेशन के अध्यक्ष ओम प्रकाश पाठक (पूर्व अध्यक्ष सोनभद्र बार एशोसिएशन) समेत संस्था के पदाधिकारीयों व अन्य गणमान्य लोगों विचार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के सब रजिस्टार मार्कन्डेय राम पाठक ने कहा कि हमारे देश के जाबाज रणबाकुरों ने अपने जान की बाजी लगाकर देश की आजादी के लिए वषी तक संघर्ष किया लाखों लोगों ने अपना बलिदान दिया तब जाकर हमे यह आजादी मिली है हमारे स्वंत्रता संग्राम सेनानियो ने हमे आजादी दिलाने के लिए बड़ी कीमत चुकाई है जिसको हम कभी भुला नही सकते देश के लिए अपना सर्वस्त्व न्योछावर करने वाले अमर बलिदानी आज भी अपने त्याग बलिदान व विचारों से हमारे प्रेरणा के केंद्र है संस्था में युवाओं से अपील करते हुए श्री पाठक ने कहा कि देश विरोधी विदेशी ताकतें नशीले व जहरीले मादक पदार्थी का कारोबार करके हमारे समाज और संस्कृति को चोट पहुंचाने के साथ युवा पीढ़ी को बर्बाद करने में जुटी हुई हैं जिससे हमें सतर्क व सावधान रहने की आवश्यकता है ऐसे समय मे आप युवाओं को सकारात्मक सोच के साथ देश के तरक्की, खुशहाली में अपना योगदान सुनिश्चित करते हुए समाज और राष्ट्रहित में कार्य करने की आवश्यकता है। संस्था परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात प्रबंधक अरुण शंकर पाठक द्वारा आगन्तुक अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।जिसमे प्रमुख रूप पंकज चौबे, डा. शिरोमणि पाण्डेय, शुभम गुप्ता, संदीप दुबे, स्वपन तिवारी, सुनील पाठक, राजेश शुक्ला समेत दर्जनों लोग मौजद रहे।

देश एवं देशवासियों की सच्ची सेवा का पवित्र मार्ग है रक्तदान - डाक्टर अजय कुमार शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। उत्सव ट्रस्ट द्वारा सी0आई0एस0एफ0 यूनिट रिहंद

हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट पिपरी के सहयोग से 78 वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन संपनन। देश की आन बान और शान राष्ट्रध्वज तिरंगे को सलामी तथा राष्ट्रगान के साथ उत्तर प्रदेश जल विद्युत निगम लिमिटेड के डी0जी0एम0 डी0बी0 यादव, डिप्टी कमांडेंट सी0आई0एस0एफ0 मुकेश कुमार, उत्सव ट्रस्ट रक्तदान विभाग के निदेशक डॉक्टर अजय कुमार शर्मा व सह निदेशक अभय कुमार, चिकित्साधिकारी डॉक्टर मनोज यादव, माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोनालिका वर्मा, काउंसलर रविंद्र कुमार, एल0टी0 दिनेश मोदनवाल व अखिलेश कुमार सिंह, दिनेश आदि सहित सी0आई0एस0एफ0 के उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों द्वारा दीप प्रज्वलन, शहीदों को पुष्प अर्पण करते हुए भारत माता की जय के उदघोष के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश जल विद्युत निगम लिमिटेड के डी0जी0एम0 डी0बी0 यादव जी ने लाखों लोगों की शहादत के बाद मिली आजादी के सम्मान, डिप्टी कमांडेंट मुकेश कुमार ने देश के प्रति नागरिकों के कर्तव्यों, निदेशक डॉ अजय कुमार शर्मा ने रक्तदान को देश एवं देशवासियों की सच्ची सेवा का पवित्र मार्ग बताया गया। कुल 09 यूनिट रक्तदान हुआ। रक्तदान करने वालों में रंजन कुमार, रतुल हुसैन, विशाल कुमार, विनोद कुमार, वीर अभिमन्यु प्रसाद, अंकित सिंह तोमर, भोलू सिंह, उमाकांत पाण्डेय व सुधीर साहू रहे। रक्तदान करने वालों को उत्सव ट्रस्ट की ओर से मेडल एवं सर्टिफिकेट आदि प्रदान किया गया ब्लड बैंक द्वारा भी उन्हें सर्टिफिकेट दिया गया। उत्सव ट्रस्ट आप सभी से अपील करता है कि अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करें जिससे कि जरूरतमंद लोगों की जान बचाई जा सके। रक्तदान करने से हमें किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं होता है बल्कि हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छा एवं फायदेमंद होता है।

सेक्टर 82 पॉकेट 7 में बड़े धूमधाम से मनाया गया 78 वाँ स्वतंत्रता दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा ईडब्लूएस पाकेट सात सेक्टर-82 नोएडा में 78वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़े धूम धाम से मनाया गया। इस मौके पर पॉकेट को तिरंगे झंडों, गुब्बारों से सजाया गया। इस अवसर पर आरडब्लूए अध्यक्ष राघवेन्द्र दुबे ने ध्वजा रोहड़ किया। शुक्ला, विकास कुमार, उत्तम चंद्रा, संजय पांडेय, विजय जी, विकास शर्मा, घनश्याम जोशी, विष्णु शर्मा, अंगद तोमर, राजवीर सिंह, रमेश शर्मा, नवल मिश्रा, नवीन पंत, फुलारा, आर के शर्मा, शिववृत तिवारी, रमेश गुप्ता, बीडी गुप्ता, कमल पात्रा,सेंसर पाल, सतपाल

सभी सेक्टर वासियों ने राष्ट्र गान गाकर ढोल नगाड़ों के साथ भारत माता के जयकारों के साथ प्रभात फेरी निकाली । इस अवसर पर बोलते हुए आरडब्लूए अध्यक्ष राघवेन्द्र दुबे ने कहा कि भारत माँ की स्वतंत्रता के लिए अमर शहीदों ने अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। अब हम सभी का कर्तव्य बनता है कि देश की एकता, अखन्डता, संप्रभुता को बनाये रखें। हमारा देश विभिन्न वेशभूषा, भाषाओं, धर्मी के होने के बावजूद अनेकता में एकता का सुन्दरतम उदाहरण है। देश को समृद्ध, शक्तिशाली एवं उननति के शिखर पर पहुँचाने के लिए हम सभी को अपना योगदान देना होगा। इस अवसर पर सुशील पाल, रवि राघव, रमेश चंद शर्मा, देवमणि सिंह, गुड्डू चौधरी , अनूप सिंह, हरी सिंह, रमेश वर्मा, राकेश सिंह, प्रभात रंजन, अखिल द्विवेदी, लोकेंद्र चौहान,जयंत शाहू , राम लखन लखेड़ा, एलएम फुलारा, संजीव ढाली , सर्वेश तिवारी, राजेश पाठक, प्रकाश जोशी, जीडी शर्मा, संजय मग्गू, मनोज गुप्ता , आरपी सिंह, पप्पू सिंह, जितेंद्र सतपति, वीके भारद्वाज, सियाराम, संगम मिश्रा, हंसमणि शुक्ला, उमाकांत त्रिवेदी, सुधा राजपूत , जितेंद्र द्विवेदी , कोमल यादव, राकेश कुमार, घनश्याम जोशी, विकास शर्मा, अवनीश तिवारी, अनिल कुमार, रमेश चंद्र दास, विवेक सिंह, राकेश कुमार यादव सहित तमाम आरडब्लूए पदाधिकारी एवं सेक्टर वासी मौजूद रहे।

मेडिकल कॉलेज में हड़ताल पर डॉक्टर दिया धरना; मरीजों को हुई परेशानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।कोलकाता में लेडी डॉक्टर के साथ हैवानियत के बाद यूपी के

कई अस्पतालों में डॉक्टर हड़ताल कर रहे हैं। सोनभद्र के जिला अस्पताल में भी डॉक्टरों ने 'वी वॉन्ट जस्टिस' के नारे लगाए। वही चिकिस्को ने बताया कि कोलकाता में महिला चिकित्सक से दुष्कर्म के बाद हत्या को लेकर सोनभद्र मेडिकल कॉलेज के जूनियर रेजिडेंट भी आंदोलित हो गए हैं। आईएमए के आह्वान पर जूनियर रेजिडेंट ने शुक्रवार को ओपीडी में काम बंद कर हड़ताल पर चले गए। परिसर में ही धरने पर बैठ गए। मामले में दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। दूसरी तरफ, हड़ताल के चलते ओपीडी में दूरदराज से आए मरीजों को दुश्वारी उठानी पड़ी। मरीज अस्पताल में डॉक्टरों के काम शुरू करने का इंतजार करते रहे। सुबह आठ बजे से शुरू हुआ कार्य बहिष्कार और हड़ताल दोपहर तक जारी रहा। मौके पर कोई जिम्मेदार उनसे वार्ता करने नहीं पहुंचा था। धरने पर बैठे जेआर का कहना था कि सरकारें महिला सुरक्षा को लेकर दावे करती हैं, लेकिन कोलकाता की घटना ने इन दावों की पोल खोल दी है। मामले में दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की जरूरत है।

बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर डांस कर मनाया स्वतंत्रता दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल में बृहस्पतिवार को

78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अंबर उपाध्याय एवं विद्यालय के निदेशक ओम जैन के द्वारा संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया गया। इसके पश्चात विद्यालय के प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद जैन एवं विशिष्ट अतिथि अखिलेश पांडे चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा संयुक्त रूप से सरस्वती माता को दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण करते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि देने के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया। विद्यालय के नन्हे - मुनने बच्चों ने यह देश है वीर जवानों के गाने पर, केद जीद से 2ह् के छात्रों ने आई लव माय इंडिया गाने पर तथा हाई स्कूल के छात्र-छात्राओं के द्वारा आर्मी नाटक प्रस्तुत किया गया। बच्चों ने सामाजिक जीवन में बदलाव पर सुंदर नाटक प्रस्तुत किया। अभिभावकों के द्वारा छोटे-छोटे बच्चों के कार्यक्रमों की काफी प्रशंसा की गई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद जैन ने बच्चों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने अभिभावकों को आश्वासन दिया कि यदि आपके द्वारा सहयोग किया गया तो आने वाले दिनों में हम इन बच्चों को ऊंचाई तक ले जाएंगे। विद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष कुमार पांडे ने बच्चों को प्रेरित करते हुए शिक्षक - शिक्षिकाओं की सहयोग से कार्यक्रम के सफल होने पर प्रशंसा किये कार्यक्रम के समाप्त होने के पश्चात अभिभावकों व छात्र-छात्राओं को मिष्ठान वितरित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अंबर उपाध्याय, सुरेंद्र कुमार यादव ,मनोज दुबे, अपर्णा श्रीवास्तव, पूजा शर्मा ,आकांक्षा तिवारी ,आदि सभी शिक्षक शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डाला बाजार की नालियों का पानी सर्विस रोड पर जमा आसपास के लोंगो को परेशानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
डाला सोनभद्र। नगर पंचायत

बीच बाजार की स्थिति, नाली का पानी सर्विस रोड पर बहने से राहगीरों को और स्कूल आने जाने वाले बच्चों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है पानी भर जाने की वजह से वह रोड पर जाने को मजबूर होते हैं जिसे उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है सड़क पर तेज रफ्तार से गाड़ी है चलती रहती है यदि कोई अनहोनी होती है तो इसकी जिम्मेदार कौन होंगे डाला नगर पंचायत के लोग या सड़क बनाने वाली कंपनी नाली जाम होने के कारण आसपास के दुकानदार काफी परेशान है उनका कहना है यदि बरसात से पहले सही तरह से नालियों के साफ-सफाई की जाती तो नाली का पानी सड़क पर नहीं आता जैसे ही जिस दिन तेज बारिश होती है पानी की वजह से काफी जल जमा हो जाता है नाली का पानी सड़क पर जमने से लोग गंभीर बीमारियों के शिकार हो सकते हैं लेकिन उसके साफ सफाई करने के लिए कोई भी इंतजाम नहीं किए गए हैं।

स्पोर्ट्स

दिल्ली 2024 के लिए वेस्ट दिल्ली लायंस टीम ने किया जर्सी का अनावरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को दिल्ली प्रीमियर लीग के पहले संस्करण के लिए वेस्ट दिल्ली लायंस ने अपने टीम की जर्सी का कहा कि स्वतंत्रता दिवस के इस पर्व के साथ टीम की जर्सी का अनावरण करना अद्भुत है। वेस्ट दिल्ली लायंस के कोच मनोज प्रभाकर ने जर्सी अनावरण समारोह पर कहा कि पीले और अपना पहला मुकाबला रविवार को नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स और दूसरा पुरानी दिल्ली-6 के खिलाफ 21 अगस्त को खेलेगी। दिल्ली प्रीमियर लीग का पहला संस्करण इस महीने 17 अगस्त से आठ

अनावरण किया। इस दौरान टीम के मालिक राजन चोपड़ा और कोच मनोज प्रभाकर भी मौजूद थे। इस सप्ताह 17 अगस्त से शुरू हो रही दिल्ली प्रीमियर लीग को लेकर वेस्ट दिल्ली लायंस टीम के मालिक राजन चोपड़ा ने नारंगी रंग से सजी यह जर्सी हमारी टीम की जीवंत ऊर्जा और दृढ़ संकल्प को दर्शाती है।उन्होंने बताया कि उनकी टीम इस लीग में अपनी पहचान बनाने और प्रशंसकों के दिलों को जीतने के लिए तैयार है। वेस्ट दिल्ली लायंस सितंबर तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें 33 मेंस और सात महिला मैच सहित 40 मैच खेले जाएंगे। इस लीग में ऋषभ पंत, इशांत शर्मा, हर्षित राणा जैसे स्टार क्रिकेटर भी खेलेंगे।

सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं जो रूट रिकी पोंटिंग के जवाब ने भारतीय फैंस को चौंकाया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि जो रूट महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रनों का सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं बशर्ते इंग्लैंड के इस बल्लेबाज की रनों की भूख और रन बनाने की निरंतरता अगले चार वर्ष तक हैं।पोंटिंग ने 168 टेस्ट में 13378 रन बनाए हैं और वह सूची में दूसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा, ''रूट यह रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। वह 33 वर्ष के हैं और 3000 रन ही पीछे हैं। देखना है कि वह कितने टेस्ट खेलते हैं।'' उन्होंने आगे कहा, ''अगर जो रूट साल में 10 से 14 टेस्ट खेलते हैं

बरकरार रहे।रूट टेस्ट क्रिकेट में 12000 रन का आंकड़ा पार करने वाले सातवें बल्लेबाज बनगए। उन्होंने अब तक 143 टेस्ट में 12027 रन बना लिए हैं। तेंदुलकर के नाम 200 टेस्ट में 15921 रन और प्रतिवर्ष 800 से 1000 रन बनाते हैं तो तीन-चार सालों में वहां तक पहुंच सकते हैं। अगर इंग्लिश बल्लेबाज की रनों की भूख बरकरार रहती है तो वह सचिन तेंदुलकर के महा रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं।

वीवीएस लक्ष्मण ने स्वीकार किया बीसीसीआई का आकर्षक ऑफर आईपीएल में हेड कोच बनने के सस्पेंस पर लगाया पूर्ण विराम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट एकेडमी के अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। वह लेकर सस्पेंस पर पूर्ण विराम लग गया है।भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने बीसीसीआई का एक खास ऑफर स्वीकार कर लिया है। लक्ष्मण ने

एक साल तक और इस पद की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं। लक्ष्मण के शुरुआती तीन साल का अनुबंध नवंबर 2021 से शुरू हुआ था, जो इस साल सितंबर में समाप्त होने वाला है। सवाल उठ रहे थे कि 49 साल के लक्ष्मण एनसीए अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे क?योंकि ऐसी खबरें आ रही थी कि उन्हें आईपीएल फ्रेंचाइजी से हेड कोच बनने का प्रस्ताव मिला है। हालांकि, लक्ष्मण के एनसीए के पद को जारी रखने से आईपीएल कोचिंग को पिछले तीन साल में अपने काम से काफी प्रभावित किया और इसकी वजह से उन्हें एक साल का ज्यादा समय बढ़ाकर दिया गया है। 49 साल के लक्ष्मण को आईपीएल फ्रेंचाइजी से हेड कोच बनने का प्रसाव मिला था लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। वीवीएस लक्ष्मण को एनसीए में सहायक कोचिंग टीम के रूप में शितांशु कोटक, साईराज बहुतले और ऋषिकेश कानिटकर का साथ मिल सकता है। बहुतले और कानिटकर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सेवा की है जबकि कोटक घरेलू क्रिकेट का बड़ा नाम रहे हैं। याद दिला दें कि लक्ष्मण ने एनसीए प्रमुख के रूप में राहुल द्रविड़ की जगह ली थी। 2021 से अब तक लक्ष्मण ने चोट प्रबंधन, खिलाड़ी का रिहैब भारतीय क्रिकेट में सभी स्तर के कोचिंग प्रोग्राम की प्रक्रिया पर नजर रखी। भारतीय टीम की कोचिंग भी की वीवीएस लक्ष्मण ने हाल ही में जिंबाब्वे दौरे पर भारतीय टीम के हेड कोच की भूमिका निभाई थी। वो पहले आयरलैंड दौरे और श्रीलंका दौरे पर भी भारतीय टीम के हेड कोच की भूमिका अदा कर चुके हैं। राहुल द्रविड़ जब ब्रेक पर रहे तो लक्ष्मण ने टीम इंडिया का मार्गदर्शन किया। लक्ष्मण का करियर वैसे, भारतीय क्रिकेट में वीवीएस लक्ष्मण किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय क्रिकेट को नई बुलंदियों पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। लक्ष्मण अपने जमाने के सर्वश्रेष्ठ मिडिल ऑर्डर बल्लेबाजों में से एक थे और उनका करियर इसे बखूबी साबित करता है।

ओलंपिक 2024 में मेडल जीतने वाले भारतीय एथलीट्स हुए मालामाल, मनु भाकर से लेकर नीरज चोपड़ा तक, किसे कितनी मिली रकम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक 2024 का आयोजन फ्रांस की राजधानी ने ओलंपिक 2024 में दो मेडल अपने नाम किए। उन्हें खेल एवं युवा मंत्रालय, भारत सरकार की तरफ पदक अपने नाम किया। खेल एवं युवा मंत्रालय, भारत सरकार ने 22.5 लाख रुपये का चेक देने का

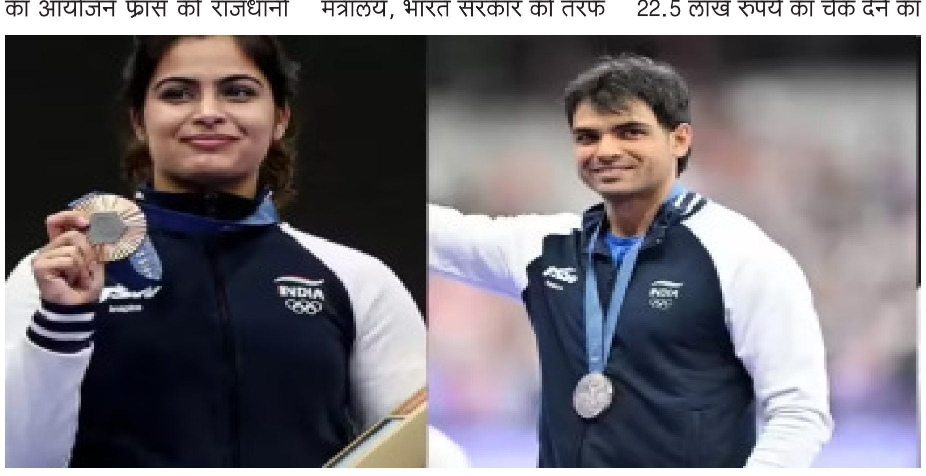

पेरिस में किया गया। इस बार पेरिस ओलंपिक में भारत ने कुल 6 मेडल जीते, जिसमें से एक सिल्वर मेडल और पांच कांस्य पदक शामिल रहा। मनु भाकर ने भारत को सबसे पहला पदक दिलाया। मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता, जबकि मिक्स्ड टीम इवेंट में उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर अपना दूसरा कांस्य पदक जीता। भारत के लिए नीरज चोपड़ा ने एकमात्र सिल्वर मेडल जीता। वहीं, स्वपिन्ल कुसाले ने शूटिंग में, तो रेसलिंग में अमन सहरावत ने कांस्य पदक अपने नाम किया। ऐसे में भारत के इन एथलीट्स को मेडल जीतने के बाद कितनी इनाम राशि मिली, आइए जानते हैं। 22 साल की मनु भाकर से 30 लाख रुपये की इनाम राशि मिली। क्लोजिंग सेरेमनी में मनु भाकर भारत की राष्ट्रधावक रहीं। भारतीय मेंस हॉकी टीम ने ब्रॉन्ज मेडल जीता और हॉकी टीम के हर एक सदस्य को 15 लाख रुपये मिले, जिसका एलान हॉकी इंडिया ने किया। साथ ही 7,5 लाख रुपये सपोर्ट स्टॉफ के हर एक मेंबर को मिला। ओडिशा के सीएम मोहन माझी ने डिफेंडर अमित रोहिदास को 4 करोड़ रुपये और 15 लाख रुपये हर प्लेयर को और सपोर्ट स्टाफ को 10 लाख रुपये देने की घोषणा की। वहीं, पंजाब के सीएम भगवंत मनन ने हर सदस्य को 1 करोड़ रुपये देने का एलान किया।भारतीय शूटर सरबजोत सिंह ने मिक्स्ड टीम इवेंट में मनु भाकर के साथ मिलकर कांस्य एलान किया।टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड जीतने वाले नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक 2024 में सिल्वर मेडल जीता। उन्हें सिल्वर जीतने के बाद कितनी इनाम राशि दी जाएगी, इसका एलान नहीं हुआ। स्वपिन्ल कुसाले जिन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में मेंस 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन के फाइनल में कांस्य पदक जीता, उन्हें महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने 1 करोड़ रुपये देने का एलान किया। अमन सहरावत ने पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीता। उन्हें मेडल जीतने के बाद कितनी इनाम राशि मिलेगी इसका अभी तक आधिकारियक रूप से एलान नहीं हुआ।

बीसीसीआई ने इंटरनेशनल होम सीजन का रिवाइज्ड शेड्यूल किया जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार को 2024-25 सीजन के लिए टीम इंडिया के आगामी घरेलू सीजन के लिए रिवाइज्ड शेड्यूल की घोषणा की है। बोर्ड ने 2 बड़ी सीरीज में अहम बदलाव किए हैं। भारत-बांग्लादेश और भारत-इंग्लैंड सीरीज में बड़ा बदलाव किया गया है। भारत और बांग्लादेश के बीच पहला जो पहले 6 अक्टूबर 2024 को धर्मशाला में होना था, अब ग्वालियर में होगा। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के ड्रेसिंग रूम का रिनवेशन हो रहा है। भारत और बांग्लादेश के बीच पहला ग्वालियर के नए स्टेडियम श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में होगा। बोर्ड ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले और दूसरे टी20घ् के वेन्यू में बदलाव किया है। पहला टी20 मैच चेन्नई में खेला जाना था अब दूसरा टी20 यहां पर खेला जाएगा। वहीं कोलकाता अब दूसरे के बजाए पहले टी20 की मेजबानी करेगा। गणतंत्र दिवस को देखते हुए कोलकाता पुलिस द्वारा बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन से अनुरोध के बाद पहले टी20 के वेन्यू में बदलाव किया गया है।

गोल्ड मेडलिस्ट अरशद नदीम ने लश्कर ए तैयबा के आतंकी से की मुलाकात लोगों ने नीरज चोपड़ा को बनाया निशाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक 2024 अब समाप्त हो गया है। इस ओलंपिक में पाकिस्तान की ओर बाद से ही अरशद नदीम चर्चा में बने हुए हैं। एक्टर से लेकर नेता और बिजनेस मैन तक सभी अरशद नदीम से मुलाकात कर रहे हैं। इस वायरल हो रहा है। वीडियो में अरशद नदीम और हारिस डार को बात करते हुए देखा जा सकता है। पेरिस ओलंपिक 2024 अब समाप्त

से इकलौता मेडल अरशद नदीम को मिला। जेवलिन थ्रो में अरशद नदीम ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने सिल्वर मेडल जीता। गोल्ड मेडल जीतने के बीच अरशद नदीम ने आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा में शामिल हारिस डार से मुलाकात की। हारिस डार भारत की नजर में आतंकी है। नदीम की इस मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी हो गया है। इस ओलंपिक में पाकिस्तान की ओर से इकलौता मेडल अरशद नदीम को मिला। जेवलिन थ्रो में अरशद नदीम ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। गोल्ड मेडल जीतने के बाद से ही अरशद नदीम चर्चा में बने हुए हैं। एक्टर से लेकर नेता और बिजनेस मैन सभी अरशद नदीम से मुलाकात कर रहे हैं। अरशद नदीम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यूजर्स नीरज चोपड़ा को निशाना बना रहे हैं। इतना ही नहीं कुछ लोगों ने तो नीरज चोपड़ा को अरशद नदीम से दूर रहने की सलाह दी है। बता दें कि हाल ही में नीरज चोपड़ा की मां ने अरशद नदीम को अपना बेटा बताया था। नीरज और अरशद काफी अच्छे दोस्त भी हैं। पेरिस ओलंपिक से दोनों की एक साथ कई तस्वीरें सामने आई थीं। पेरिस ओलंपिक 2024 में नीरज चोपड़ा ने 89.45 मीटर थ्रो किया था। दूसरी ओर पाकिस्तान के भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम ने 92.97 मीटर थ्रो किया था। बता दें कि अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ ट्रेजरी ने मिली मुस्लिम लीग पार्टी के 7 आतंकियों को ग्लोबल आतंकी घोषित किया। इनमें मोहम्मद हारिस डार का नाम भी शामिल था। आरोप था कि ये लोग लश्कर ए तैयबा के लिए काम करते हैं।

इन खिलाडियों को खरीदने के लिए टीमों के बीच होगी जबरदस्त जंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग 2024 ऑक्शन में कुछ ही दिन रहते है। हैं। लिस्ट में पहले नंबर पर पवन सहरावत का नाम है, जिन्हें पीकेएल के पिछले सीजन में तेलुगु टाइटंस तेलुगु टाइटंस ने बाजी मार ली।नवीन कुमार को पीकेएल के 10वें सीजन में घुटने की इंजरी

इसका आयोजन 15 अगस्त और 16 अगस्त को होना है, जिसमें कई खिलाड़ियों पर मोटी बोली लगाई जा सकती है। पिछले पीकेएल की तुलना में इस बार ऐसे भी खिलाड़ी है जिन्हें खरीदने के लिए टीमों के बीच जबरदस्त वॉर देखने को मिल सकता है। आइए जानते हैं इन खिलाड़ियों के नाम, जो पीकेएल 2024 में काफी महंगे बिक सकते ने 2.605 करोड़ रुपये की बोली लगाकर अपने खेमे में शामलि किया था। उनका बेस प्राइस महज 20 लाख रुपये था, लेकिन उन्हें खरीदने के लिए टीमों के बीच कड़ी जंग देखने को मिली। सहरावत जो कि पूर्व बेंगलुरु बुल्स का हिस्सा रहे, उन्हें खरीदने के लिए टीम ने पूरी कोशिश की, लेकिन बिडिंग में की वजह से टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। ऐसे में इस बार पीकेएल के 11वें सीजन में उन्हें खरीदने के लिए फ्रेंचाइजी के बीच जोरदार जंग देखने को मिल सकती है। 3. मोहम्मदरेजा शादलूई पलटन ने पिछले पीकेएल का सीजन जीता था, जिसमें मोहाम्माड्रेजा शदलाऊ ने अहम योगदान दिया था। वह पिछले पीकेएल सीजन में बेस्ट डिफेंडर रहे, जिन्होंने हर मैच में डिफेंस किया और राइडर्स पर अटैक किया। 4. आशु मलिक लिस्ट में चौथे नंबर पर आशु मलिक का नाम है, जिन्हें पीएकेल 2024 में खरीदने के लिए सभी टीमें दिलचस्पी दिखा सकती है। आशु मलिक को प्रो कबड्डी लीग के पिछले सीजन में दबंग दिल्ली के.सी ने 96.25 लाख रुपये में अपने साथ खरीदा था। सीजन 10 ऑक्शन में आशु मलिक को खरीदने के लिए बेंगलुरु बुल्स और तमिल थलाइवास के बीच जबरदस्त जंग देखने को मिली थी। 5. मनिंदर सिंह प्रो- कबड्डी लीग 2024 ऑक्शन से पहले बंगाल वॉरियर्स ने मानिंदर सिंह को रिलीज कर दिया है। पीकेएल 10 में बंगाल वॉरियर्स ने कार्ड का इस्तेमाल करते हुए उन्हें 2.12 करोड़ रुपये में अपने खेमे में शामिल किया था, लेकिन 11वें सीजन के लिए उन्हें रिटेन नहीं किया गया और मनिंदर सिंह अब ऑक्शन में हिस्सा लेने वाले हैं। मनिंदर सिंह मैच का रुख पलटने का दमखम रखते हैं। ऐसे में उनका अनुभव देखते हुए उन्हें नीलामी में खरीदने के लिए फ्रेंचाइजी पानी की तरह पैसा बहा सकती हैं।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

सम्पादकीय

15 अगस्त विशेषः भारत 15 अगस्त 1947 के दिन स्वतंत्र नहीं, उपनिवेश जन्मा था

15 अगस्त 1947 के बाद भारत के संवैधानिक मुखिया ब्रिटिश साम्राज्य के प्रतिनिधि गवर्नर जनरल लॉर्ड माउंटबेटन और फिर चक्रवर्ती राजगोपालाचारी थे। माउंटबेटन के बाद जब एक भारतीय, राजगोपालाचारी ने गवर्नर जनरल के पद की शपथ ली थी तो वह शपथ भी ब्रिटिश सम्राट (हिज मजेस्टी) के प्रति बफादारी की थी न कि भारत की नयी व्यवस्था के प्रति। हम हर साल 15 अगस्त को बड़े हर्षोल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं। इसी दिन की पहली बेला पर 1947 में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पहले प्रधानमंत्री के तौर पर पहली बार राष्ट्रीय ध्वज के तौर पर तिरंगे को फहराने के साथ ही ऐतिहासिक भाषण ''ट्रीस्ट विद डेस्टिनी'' या भाग्य के साथ साक्षात्कार दिया था। लेकिन क्या सचमुच उस दिन हमारा देश पूरी तरह आजाद हुआ था? दरअसल, सच्चाई यह है कि उस दिन भारत और पाकिस्तान को दो उपनिवेशों का दर्जा मिला था जिनकी सरकारें स्वदेशियों की थीं मगर सार्वभौम सत्ता फिर भी ब्रिटिश सम्राट के पास थी। उस स्वायत्तशसी भारत को सम्प्रभुता सम्पनन लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के लिये 26 जनवरी 1950 तक और पाकिस्तान को 1956 तक इंतजार करना पड़ा। यही नहीं उस दिन के बाद भी भारत की सेकड़ों रियासतें राजशाही के बंधनों में जकड़ी हुयी थीं।15 अगस्त 1947 के बाद भारत के संवैधानिक मुखिया ब्रिटिश साम्राज्य के प्रतिनिधि गवर्नर जनरल लॉर्ड माउंटबेटन और फिर चक्रवर्ती राजगोपालाचारी थे। माउंटबेटन के बाद जब एक भारतीय, राजगोपालाचारी ने गवर्नर जनरल के पद की शपथ ली थी तो वह शपथ भी ब्रिटिश सम्राट (हिज मजेस्टी) के प्रति बफादारी की थी न कि भारत की नयी व्यवस्था के प्रति। सम्प्रभुता सम्पनन एक गणराज्य के संविधान के लागू होने तक भारत पर 1935 का ही भारत सरकार अधिनियम लागू था जिसे ब्रिटिश पालिय्यामेंट ने पारित किया था। यही नहीं भारत स्वतंत्रता अधिनियम, जिसके तहत भारत और पाकिस्तान दो उपनिवेशों के अस्तित्व में लाने के प्रावधान किये गये थे, वह भी ब्रिटिश संसद द्वारा पारित था। उस समय भारत की स्थिति भी ब्रिटेन द्वारा नियंत्रित अन्य उपनिवेशों की जैसी ही थी।सरल शब्दों में कहें तो डोमिनियन या उपनिवेश ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर स्वायत्त शासन की इकाइयां थीं जो स्वायत्त अवश्य थे लेकिन ''क्राउन'' या सम्राट के प्रति निष्ठा रखते थे। इसका मतलब यह था कि किंग जॉर्ज षष्टम भारत के सम्राट के रूप में शासन करते रहे और लॉर्ड माउंटबेटन के बाद जब चक्रवर्ती राजगोपालाचारी देश के पहले भारतीय गवर्नर जनरल बने तो उन्होंने भी ब्रिटिश ताज के प्रति बफादारी की शपथ ली। जवाहरलाल नेहरू ने प्रधानमंत्री के रूप में शपथ तो ली लेकिन उन्हें राष्ट्र के मुखिया के तौर पर ब्रिटिश गवर्नर-जनरल के आदेश पर काम करना पड़ा और उनकी बैबिनेट के अनिर्वाचित भारतीय राष्ट्रवादी नेताओं को ब्रिटिश राजा या सम्राट के नाम पर शपथ दिलाई गई। इसका यह भी मतलब था कि एक ब्रिटिश फील्ड मार्शल भारतीय सेना का नेतृत्व करता था और ब्रिटिश द्वारा नियुक्त न्यायाधीश उच्च न्यायालयों और संघीय न्यायालय का हिस्सा बने रहते थे।अब सवाल उठता है कि आखिर भारतीय नेताओं और खास कर कांग्रेस ने 15 अगस्त 1947 को एक स्वतंत्र संप्रभु राष्ट्र के बजाय एक डोमिनियन राज्य को क्यों स्वीकार किया? देखा जाय तो उस समय की परिस्थितियों के अनुसार यह एक व्यावहारिक निणय्र था जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण आंतरिक और बाहरी चुनौतियों की पृष्ठभूमि के बीच औपनिवेशिक शासन से पूर्ण स्वतंत्रता तक एक स्थिर और प्रबंधनीय सत्ता संक्रमण सुनिश्चित करना था। कोई भी राष्ट्र अपने संविधान से चलता है और उस समय नये भारत का अपना कोई संविधान नहीं था। उस समय संविधानसभा देश के लिये अपना संविधान बनाने की प्रकृया में थी। वैसे भी संविधान तैयार करने में 2 साल 11 महीने और 18 दिन लग गये थे। जिसे संविधानसभा ने 26 नवम्ब 1949 को अंगीकृत किया गया। इसलिये इतने दिनों तक अपने लोगों द्वारा गठित सरकार को 1935 के विधान से ही काम चलाना पड़ा।भारतीय स्वतंत्रता आंदोलनका एकमात्र लक्ष्य आंशिक स्वतंत्रता न हो कर जोर पूर्ण स्वतंत्रता के लिए था। अगस्त सन् 1947 तक भारत भारी राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल का सामना कर रहा था। भारत और पाकिस्तान में भारत के विभाजन के कारण भयंकर हिंसा, सामूहिक पलायन और सांप्रदायिक दंगे हुए थे। अराजक स्थिति को देखते हुए नेताओं को लगा कि डोमिनियन स्थिति को स्वीकार करने से कुछ स्थिरता बनाए रखते हुए औपनिवेशिक शासन से पूर्ण संप्रभुता में संक्रमण को अधिक प्रबंधनीय बनाया जा सकेगा।

आखिर क्या है उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बयान के मायने

देश में सबकुछ सामान्य रूप से चल रहा है, इसमें कोई भी दो राय नहीं है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में बीच-बीच में विपक्ष की ओर से ऐसे तत्वों को जरूर हवा दी जा रही है, जिन्हें लेकर चिंता उभरती है। वर्ष 2019 में जब नागरिक संशोधन सलमान खुर्शीद की ओर था, जिन्होंने एक बयान दिया कि ऊपर सब सामान दिख सकता है, लेकिन बांग्लादेश जैसी घटना भारत में हो सकती है। कुछ अन्य विपक्षी नेता भी ऐसे विचार व्यक्त कर चुके हैं। उप राष्ट्रपति जैसे उच्च पद पर बैठे

कानून (सीएए) बना तो दिल्ली के शाहीन बाग में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग सड़क रोककर बैठ गए थे। देश के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जोधपुर हाईकोर्ट में जजों और वकीलों के बीच में जब यह कहा कि देश में कुछ लोग साजिश के तहत एक नैरेटिव चला रहे हैं कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में जो घटनाक्रम हुआ है, वैसा ही भारत में घटित हो सकता है। धनखड़ ने आगाह किया कि ऐसे लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। दरअसल, उनका इशारा पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता व्यक्ति का इस गंभीर विषय पर बोलना और चिंता जताना वाकई गंभीर विषय है। देश में सबकुछ सामान्य रूप से चल रहा है, इसमें कोई भी दो राय नहीं है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में बीच-बीच में विपक्ष की ओर से ऐसे तत्वों को जरूर हवा दी जा रही है, जिन्हें लेकर चिंता उभरती है। वर्ष 2019 में जब नागरिक संशोधन कानून (सीएए) बना तो दिल्ली के शाहीन बाग में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग सड़क रोककर बैठ गए थे। देश के अन्य हिस्सों में भी कई शाहीन बाग खड़े किए गए।

राग और संगीत की यात्रा में अपनी लय को साधता भारत

भारत के सांस्कृतिक प्रतीक 'संगीत' के बारे में बहुत कम लोग ही बात करते हैं। 1947 हमारे देश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण वर्ष रहा। यह वर्ष भारत और भारतीय संगीत उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष था, क्योंकि इसने अगले 3 दशकों और उसके बाद भी भारतीय संगीत को आकार देने का काम किया। भारत, इंडिया, हिंदुस्तान, विभिनन नाम, विभिनन विचार, विभिनन संस्कृती वाला ये देश आज अपना

78 वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। हिमाच्छादित हिमालय, कोंकण में सदाबहार जंगल, बनारस की रंगीन होली से लेकर बंगाल का राजभोग और राजस्थान के रेगिस्तान तक भारत के अलग-अलग रंग रूप को दिखाते हैं। इस सब से बढ़कर भारत की आत्मा को प्रदर्शित करने वाला प्रतीक है 'भारतीय संगीत', जिसके बिना भारत की व्याख्या अधूरी है। भारत, इंडिया, हिंदुस्तान, विभिनन नाम, विभिनन विचार, विभिनन संस्कृती वाला ये देश आज अपना 78 वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। हिमाच्छादित हिमालय, कोंकण में सदाबहार जंगल, बनारस की रंगीन होली से लेकर बंगाल का राजभोग और राजस्थान के रेगिस्तान तक भारत के अलग-अलग रंग रूप को दिखाते हैं। इस सब से बढ़कर भारत की आत्मा को प्रदर्शित करने वाला प्रतीक है 'भारतीय संगीत', जिसके बिना भारत की व्याख्या अधूरी है। देश को आजाद हुए 77 साल हो चुके हैं और आज के समय में भारत का एक नया चेहरा विश्व भर में अपनी पहचान बना रहा है। 77 साल के इस सफर में भारत ने हर क्षेत्र में तरक्की की है। भारत की राजनीति, तकनीक, शिक्षा, जलवायु, कृषि, विज्ञान, संसाधन जैसे मुद्दों पर तमाम बातें की जाती हैं, लेकिन भारत के सांस्कृतिक प्रतीक 'संगीत' के बारे में बहुत कम लोग ही बात करते हैं। 1947 हमारे देश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण वर्ष रहा। भारत ने ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता पाई और विभाजन के दर्दनाक परिणामों से भी गुजरा। इसके परिणाम स्वरूप पाकिस्तान बना। यह वर्ष भारत और भारतीय संगीत उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष था, क्योंकि इसने अगले 3 दशकों और उसके बाद भी भारतीय संगीत को आकार देने का काम किया। आजादी के समय भारतीय संगीत की स्थिति यह कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान काल संगीत की दृष्टि से बेहद अनूठा है। इस दौरान कला और संगीत के क्षेत्र में जितनी तरक्की हुई है, उतना इससे पहले इतने कम समय में कभी नहीं देखी गई। भारत के आजाद होने के बाद संगीत को भी एक नया आयाम हासिल हुआ है। दरअसल, जब देश आजाद हुआ तब भारतीय संगीत की स्थिति बहुत खास नहीं थी। जिन रियासतों ने संगीत के महान कलाकारों को संरक्षण देने का महत्वपूर्ण बीड़ा उठाया था, वह समाप्त होती जा रहीं थीं। ऐसे में सरकार ने इन कलाकारों की काफी मदद की। कई नये संगीत संस्थानों की स्थापना की गई। साथ ही फिल्मों एवं संचार माध्यमों ने भी संगीत के विकास में अहम योगदान दिया। इस समय सरकार कलाकारों के नये आश्रयदाता के रूप में आगे आई। इतना ही नहीं भातखंडे का विकास भी आजादी के बाद के काल में ही तेजी पड़ता है। विभाजन के बाद संगीत भारती की आजादी की खुशखबरी देशवासियों को विभाजन की त्रासदी के साथ हासिल हुई। ये आजादी दो टुकड़ों में मिली। आजादी के तुरंत बाद होने वाले हिंदू-मुस्लिम साम्प्रदायिक दंगों ने भारतीय जनमानस को अंदर तक हिला कर रख दिया। ऐसे में संगीत कलाकार भी दो भागों में बंटने पर मजबूर हो गए। कुछ महान गायक भारत में रह गये और कुछ पाकिस्तान चले गये, लेकिन उनका दर्द उनकी रचनाओं में स्पष्ट दिखता रहा। उस समय के संगीत कलाकारों की बात की जाये, तो ये कहा जा सकता है कि शास्त्रीय संगीत के उच्च कोटि के कलाकार भारत में थे। इनमें उस्ताद बड़े गुलाम अली खां, भी शामिल थे, जो पहले पाकिस्तान चले गये थे। लेकिन बाद में वह भारत वापस आ गये। इस काल में पंडित कृष्णाराव शंकर पंडित ने भी भारतीय संगीत पर बहुत प्रभाव डाला। आजादी के बाद भी सितार का इमदाद खानी घराना भारत में ही रहा। तबले के कलाकारों में अल्लारखा खां, उस्ताद अहमद जान थिरकवा, पंडित शामता प्रसाद इत्यादि अपने अपने ढंग से संगीत में अपना योगदान देते रहे। ध्रुवपद सम्राट डागर बंधुओं ने तथा बाद में उनके वंशजों ने भी संगीत के क्षेत्र में महान काम किया। 1950 ई के दशक में भारत में हिंदुस्तानी संगीत के प्रमुख केंद्र उत्तर प्रदेश का बनारस, लखनऊ, रामपुर आदि, मध्यप्रदेश में ग्वालियर, भोपाल, दिल्ली, पंजाब के अनेक क्षेत्र सम्मिलित थे। साथ ही गांधर्व महाविद्यालय की संस्थागत शिक्षा का प्रचार किया जा रहा था। लखनऊ में भातखंडे विद्यापीठ भी बेहतर तरीके से काम कर रहा था। संगीत के शिक्षण प्रशिक्षण पर सरकार का पर्याप्त ध्यान था। इस हिसाब से यह कहना गलत नहीं होगा कि आजादी के बाद भी संगीत को बरकरार रखने के लिए कई प्रयास किए गए। लेकिन निराशा की बात यह है कि भारत में बदलते दौर के साथ संगीत का स्वरूप भी बदल गया। आज के समय में ज्यादातर गीत व्यावसायिक दृष्टीकोण से रचे जाते हैं, फिर चाहे इसके लिए संगीत के नियमों को तोड़ना ही क्यों न पड़े। आज हमारे पास संगीत और कला प्रदर्शन के लिए विभिनन अवसर और मंच उपलब्ध हैं। हर कोई तकनीक और संसाधनों के उचित इस्तेमाल से अपनी कला का प्रदर्शन कर अपनी पहचान बनाने की क्षमता रखता है। लेकिन समय के साथ शास्त्रीय संगीत पर ढीली होती पकड़ ने शास्त्रीय संगीत के ढांचे को कमजोर कर दिया है। इसके लिए सैकड़ों वर्षों की गुलामी को भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। जब लोग केवल जीने के लिए भी संघर्ष करते थे, ऐसे में अपनी धरोहरों की रक्षा करना कोई आसान काम नहीं था। हालांकि, आज भी कई ऐसे महान कलाकार हैं, जो लगातार इसका प्रचार प्रसार कर रहे हैं और संगीत को आगे बढ़ा रहे हैं। ऐसे कलाकारों और गुरुओं को हमें नमन करना चाहिए। शास्त्रीय संगीत की धुंधली पड़ती छवि एक समय था जब रागों से रोगों का उपचार किया जाता था। एक समय था जब मेघ मल्हार के स्वर आसमान से पानी धरती तक खींच लाते थे। एक समय वो भी था जब मृदंग महर्षि स्वामी पागल दास जी की मृदंग से निकले ताल ने डाकुओं से उनकी जान बचाई थी। शास्त्रीय संगीत की ताकत को दर्शाने वाली कई ऐसी कहानियां हैं, जिनके बारे में सुनकर यकीन करना मुश्किल होता है। लेकिन यह दुर्भाग्य की बात है कि समय ने इस गहरी छवि को हल्का कर दिया है। आज के समय में शोर शराबे को भी लोगों ने संगीत का नाम दे दिया है। लेकिन वास्तव में भारतीय शास्त्रीय संगीत हमें कई मायनों में बेहतर स्तर प्रदान करता है। शास्त्रीय संगीत हमें तनाव से मुक्ति दे सकता है। इससे हमारे आस पास एक सकारात्मक ऊर्जा का निर्माण होता है। शास्त्रीय संगीत हमारी जीवनशैली को स्तर प्रदान करता है। इसलिए संगीत सुनने वाले श्रोताओं को हमेशा अच्छी कोटि का संगीत ही सुनना चाहिए। फिर चाहे वह शास्त्रीय संगीत हो या लोकसंगीत। हम सबको संगीत सीखना चाहिए, लेकिन अगर यह संभव नहीं है तो अच्छा संगीत तो जरूर सुनना चाहिए। यह हमारे जीवन को उच्चतम स्तर प्रदान करता है। इसकी मदद से हम अपनी शक्ति समाज के सृजनात्मक कार्यों में और अधिक सक्रियता के साथ लगा सकते हैं। क्योंकि संगीत से उत्पनन होने वाली बेहतर मानसिकता, रचनात्मकता, सृजनात्मकता और एकता ही विकसित भारत 2047 का निर्माण करेगी।

आजादी के जश्न और विभाजन के दर्द को बयां करती किताबें और सिनेमा

इतिहास में इतने बड़े पैमाने पर विस्थापन का दूसरा उदाहरण नहीं मिलता है। 15 अगस्त का चित्रण हिन्दी-इंग्लिश के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य में भी हमें विस्तार से देखने को मिलता है, खासकार बांग्ला साहित्य में। साहित्यकारों ने इस दिन की आप बीती बताई है। कई शताब्दियों की गुलामी के बाद बहुत संघर्ष के पश्चात् 15 अगस्त 1947 को हम

आजाद हुए और इस दिन को हम स्वतंत्रता दिवस के रूप उल्लास के साथ मनाते हैं। हम अपने शहीदों को स्मरण करते हैं, स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करते हैं। फिल्म में इस दिन को बहुत बार दिखाया गया है। यह साहित्य का विषय भी रहा है। यहां बंटवारे का दुःख, अत्याचार, हत्या, बलात्कार से जुड़ी घटनाओं का चित्रण मिलता है। इतिहास में इतने बड़े पैमाने पर विस्थापन का दूसरा उदाहरण नहीं मिलता है। 15 अगस्त का चित्रण हिन्दी-इंग्लिश के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य में भी हमें विस्तार से देखने को मिलता है, खासकार बांग्ला साहित्य में। साहित्यकारों ने इस दिन की आप बीती बताई है। भीष्म साहनी उस दिन दिल्ली में थे और लालकिले पर हो रहे जशन को देखने गए थे। उत्तर भारत में उस दिन हल्की वर्षा हो रही थी। जिनका परिवार इन दिनों हुए दंगों का शिकार हुआ था, उन्होंने इस पर लिखा है- उर्वषी बुटालिया ने 2002 में 'खामोसी के उस पार' नाम से इस दुःख-दर्द को लिखा है। सुशीला बुटालिया, शीला संधु, दमयंती सहगल, बसंत कौर इस बटवारे की गवाह रही हैं। जशोदा बाग्ची तथा शुभोरंजन दासगुप्ता की किताब 'ट्रौमा एंड द ट्रायम्फः जेंडर एंड पार्टिशन इन ईस्टर्न इंडिया' भी स्त्रियों पर इस काल में हुए अत्याचार को शब्द देती है। बाप्सी सिद्धवा पारसी होने के कारण इस विभाजन से सीधे प्रभावित नहीं थीं, वे मूक साक्षी और निरपेक्ष भाव से इसे 1992 में प्रकाशित अपनी किताब 'क्रैकिंग इंडिया' में दिखाती हैं। उनकी किताब 'द क्रो ईटर्स' में इसका चित्रण है, जिसके एक भाग 'आइस कैंडीमैन' के आधार पर फिल्म बनी है जहां एक बच्ची की नजर से सब दिखाया गया है।खुशवंत सिंह का 'ट्रेन टू पाकिस्तान' (इस पर इसी नाम से फ़िल्म), भीष्म साहनी का 'तमस' (इसी नाम से टीवी सीरियल), अमिताभ घोष का 'शेडो लाइंस' विभाजन की करुण गाथाएं हैं। सलमान रुश्दी की प्रसिद्ध किताब 'मिडनाइट'स चिल्ड्रेन' की शुरुआत इसी दिन से होती है। इस पर भी फिल्म बनी है। डोमिनिक लेपियर एवं लैरी कॉलिंस की 1975 कें प्रकाशित किताब बहुचर्चित 'फ्रीडम एट मिडनाइट' इसे दस्तावेजों के साथ दिखाती है। यशपाल का प्रसिद्ध दो भाग वाला उपन्यास 'झूठा-सच', खासतौर पर इसका दूसरा भाग 'देश का भविष्य' इसे बहुत विस्तार से दिखाता है। सलमान रुश्दी के 'मिडनाइट'स चिल्ड्रेन' कहता है- ठीक 15 अगस्त 1947 की आधी रात को बंबई के अस्पताल में दो लड़के पैदा हुए, वहां उन्हें नर्स द्वारा अदल-बदल दिया गया। सलीम सिनाई एक धनी-मानी मुस्लिम जोड़े द्वारा बड़ा किया जाएगा, जो असल में एक निचली जाति की हिन्दू औरत तथा जाते हुए ब्रिटिश कॉलोनिस्ट की नाजायज संतान है। भारत की स्वतंत्रता के साथ जन्में सलीम के पास जादूई ताकत है, वह टेलिपैथी द्वारा प्रत्येक व्यक्ति का मन पढ़ सकता है। असल में स्वतंत्रता प्राप्ति के समय एक घंटे के भीतर 1,001 बच्चे पैदा हुए थे। इन्हीं में शिवा और पार्वती भी थे। दूसरे बच्चों के पास भी विशिष्ट योग्यताएं थीं। इस उपन्यास के साथ रुश्दी की प्रसिद्ध चारो ओर फैल गई।सलमान रुश्दी अपने इस जटिल उपन्यास द्वारा आधुनिक भारत के इतिहास को विडम्बना, त्रासद और आलोचनात्मक तरीके से चित्रित करते हैं। कश्मीरी मूल विरासत का सलीम का परिवार पाठक को आगरा, दिल्ली और बंबई लिए चलता है और अंत में पाकिस्तान पहुंचता है।

केवल मौलिक अधिकारों की बात न करें, कर्तव्यों को भी जीवन में उतारें

भारत में मौलिक अधिकारों की चर्चा हम करीब-करीब रोज सुनते हैं, लेकिन संविधान में 11 मौलिक कर्तव्य भी हैं। हम संविधान के मौलिक अधिकारों को तो अपना अधिकार समझते हैं, लेकिन मौलिक कर्तव्यों को लेकर अनभिज्ञ हैं। भारत में मौलिक अधिकारों की चर्चा हम करीब-करीब रोज सुनते हैं, लेकिन संविधान में 11 मौलिक कर्तव्य भी

हैं। हम संविधान के मौलिक अधिकारों को तो अपना अधिकार समझते हैं, लेकिन मौलिक कर्तव्यों को लेकर अनभिज्ञ हैं। हालांकि, मूल संविधान में कहीं मौलिक कर्तव्यों का जिक्र नहीं था, लेकिन आपातकाल के समय वर्ष 1976 में केंद्र सरकार ने संविधान में 42वां संशोधन कर 10 मौलिक कर्तव्य शामिल किए। साल 2002 में 11वां मौलिक कर्तव्य शामिल किया गया। आज जब हम देश का 78वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं तो मौलिक कर्तव्यों को अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है। देश में आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी सरकार ने सरदार स्वर्ण सिंह की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया। इस समिति का मुख्य उद्देश्य आपातकाल के दौरान मौलिक कर्तव्यों और उनकी आवश्यकताओं की सिफारिश करना था। स्वर्ण सिंह समिति ने मौलिक कर्तव्यों के शीर्षक से संविधान में एक अलग अध्याय को शामिल करने की सिफारिश की, ताकि मौलिक अधिकारों का उपयोग करते हुए नागरिकों को उनके कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया जाए।सरकार ने संविधान में एक अलग अनुच्छेद 51ए शामिल किया, जिसमें 10 मौलिक कर्तव्यों को शामिल किया गया। हालांकि, स्वर्ण सिंह समिति ने केवल आठ मौलिक कर्तव्यों को शामिल करने की सिफारिश की थी, लेकिन 42वें संशोधन में सरकार ने 10 कर्तव्य शामिल किए। साल 2002 में 11वां मौलिक कर्तव्य संविधान में जोड़ा गया।मौलिक कर्तव्यों को संविधान में शामिल करने के पांच दशक बाद भी देश के नागरिक इन्हें लेकर जागरूक नहीं हैं। वर्ष 2016 में सुप्रीम कोर्ट में दायर एक जनहित याचिका में यह तथ्य सामने आया था कि सुप्रीम कोर्ट के वकीलों, जजों, सांसदों सहित देश के लगभग 99.9 प्रतिशत नागरिक संविधान के अनुच्छेद 51ए में वर्णित कर्तव्यों को पूरा नहीं करते हैं, क्योंकि उन्हें इस संबंध में जानकारी नहीं है। ऐसे में सवाल उठता है कि यह कर्तव्य बनाए क्यों गए हैं? हालांकि, वर्ष 1998 में केंद्र सरकार ने वर्मा समिति का गठन किया, जिसका उद्देश्य प्रत्येक शिक्षण संस्थानों में मौलिक कर्तव्यों को लागू करने व सीखने के लिए नीति और कार्यप्रणाली तैयार करना था। वर्मा समिति ने अपनी जांच में पाया था कि मौलिक कर्तव्य इसलिए प्रचलित नहीं हो रहे हैं, क्योंकि इनके क्रियान्वयन की रणनीति कमजोर है। वैसे, मौलिक कर्तव्यों का उल्लेख हमारे धर्म ग्रंथों में भी मिलता है। भगवद्गीता और रामायण में लोगों को अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया है। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि व्यक्ति को फल की अपेक्षा किए बिना अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भी कहते थे कि हमारे अधिकारों का सही स्रोत हमारे कर्तव्य होते हैं और यदि हम अपने कर्तव्यों का सही ढंग से निर्वाह करेंगे तो हमें अधिकार मांगने की आवश्यकता नहीं होगी। भारत के संविधान में मौलिक कर्तव्यों की अवधारणा को तत्कालीन सोवियत संघ के संविधान से प्रेरित होकर शामिल किया गया था। हालांकि, कई अन्य देशों में जिम्मेदार नागरिकता के सिद्धांत को मूर्तरूप देकर स्वयं को विकसित अर्थव्यवस्था में बदलने का कार्य किया गया है। अमेरिका इसका सबसे नया उदाहरण है, जहां 'सिटीजंस अल्मनाक' नाम से दस्तावेज जारी किया जाता है, जिसमें नागरिकों के कर्तव्यों का विवरण होता है। सिंगापुर में नागरिकों द्वारा कर्तव्यों का पालन शुरू करने के बाद वहां विकास की गति तेज हो गई थी।यदि हम भारत में अपने मौलिक अधिकारों की वकालत करते हैं तो हमें अपने मौलिक कर्तव्यों का पालन भी करने की आवश्यकता है। वर्मा समिति की सिफारिश के अनुरूप सरकार को चाहिए कि प्रत्येक नागरिक को मौलिक कर्तव्यों की जानकारी देने के लिए रणनीति बनाई जाए। यदि देश का प्रत्येक नागरिक अपने मौलिक कर्तव्यों का पालन करेगा तो एक बड़ा बदलाव भारत में दिख सकता है। सही मायने में स्वतंत्रता दिवस मनाने का इससे अच्छा कोई और तरीका नहीं हो सकता। संविधान का पालन करना और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज एवं राष्ट्र गान का आदर करना। 2. स्वतंत्रता के लिये हमारे राष्ट्रीय संघर्ष को प्रेरित करने वाले महान आदर्शों का पालन करना। 3. भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखना और उसकी रक्षा करना। 4. देश की रक्षा करना और आह्वान किये जाने पर राष्ट्र की सेवा करना। 5. भारत के लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करना जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग आधारित सभी प्रकार के भेदभाव से परे हो। साथ ही ऐसी प्रथाओं का त्याग करना जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं। 6. हमारी समग्र संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्त्व देना और संरक्षित करना। 7. वनों, झीलों, नदियों और वन्यजीवन सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा एवं सुधार करना और प्राणिमात्र के लिए दयाभाव रखना। 8. मानवतावाद, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा ज्ञानार्जन एवं सुधार की भावना का विकास करना। 9. सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करना एवं हिंसा से दूर रहना। 10. व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधि के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिये प्रयास करना ताकि राष्ट्र लगातार उच्च स्तर की उपलब्धि हासिल करे। 11. 6 से 14 वर्ष तक के आयु के अपने बच्चों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना।

ADHUNIK TUTORIALS

("FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT")

FOR CLASSES 1st-5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

OUR TEAM

- Air conditioned well Furbished classrooms
- Water cooler available
- Hygienic washrooms
- CCTV for safety purposes
- In campus parking

Dr.(Er)Puneet Arora (DIRECTOR)
(B.Tech, M.Tech, MBA, Ph.D)
Awarded with 'Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethony Convent School , Bishop Johnson School & College, Girls school & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the field of Web Development and Machine Learning.

Ms.Riya Arora (Counsellor)

- **Ex. Student of Delhi Public School .**
- **Subject Topper of Delhi Public School**
- **Pursuing LLB from University of Allahabad.**

Contact
Call and Whatsapp: 8542919234

Address: B-Block ADA Colony, Mtek Campus (NITC) Naini Prayagraj.

ओवरलोडिंग वाहनों से परेशान ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने नोएडा एआरटीओ पर लगाए गंभीर आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। सेक्टर 29 मीडिया क्लब क्लब में हुए प्रेस वार्ता के दौरान नोएडा ट्रक टेंपो ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष रामपत यादव ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि जिला गौतमबुद्ध नगर में राजस्थान व हरियाणा की ओवरलोड गाडियों जिनमें लगभग 100-100 टन तक का वजन होता है। जिससे नोएडा की गाडियों बहुत प्रभावित हो रही है। क्योकि ये गाडियों केवल 42 टन ही पास है। जिससे नोएडा के ट्रांसपोर्टरों का बहुत नुकसान हो रहा है। आगे उन्होंने बताया कि ओवरलोड गाडियों की वजह से सडकों को भी बहुत नुकसान हो रहा है। जिसकी वजह से दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। दूसरी तरफ नोएडा के ट्रांसपोर्टरों का रोजगार खत्म हो गया है। हम ट्रांसपोर्टर अपनी गाड.ियों की किस्ते भी भुगतान नहीं कर पा रहे है। पत्रकारों को संबोधित करते हुए आगे उन्होंने बताया कि ओवरलोड गाड.ियों को अवैध रूप से नोएडा में प्रवेश कराया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया की सभी गाडियों यातायात पुलिस और ऊध् कर्मचारियों द्वारा एन्ट्री लेकर चलवाया जा रहा है। जबकि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा मुख्य सचिव परिवहन द्वारा भी ओबरलाङ प्रतिबन्धित है। उपरोक्त एआरटीओ विभाग के द्वारा हर गाडी से रु 9,000 लिया जाता है तथा लगभग 700 से 800 गाड़ी हर रोज नोएडा में हरियाणा व राजस्थान की आती जाती है। इस प्रकार रोज लगभग 63 लाख रूपया इन गाडियों से वसूला जाता है और यातायात पुलिस द्वारा 2000 गुना 800 लगभग 16 लाख रूपये इन गाड.ियों से वसूला जाता है। इस भ्रष्टाचार के कारण ये ओवरलाड का गोरखधन्धा फल-फूल रहा है। इसे रोकने के लिए डीएनडी, कालिंदी कुंज, सिरसा कट, जेवर व यमुना एक्सप्रेसवे व बिसरख, लाल कुंआ पर 24 घण्टे नाका बन्दी करके चैकिंग की जाएं।दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही करने की जाये, ताकि नोएडा के ट्रांसपोर्टरों के साथ न्याय हो सके, अन्यथा मजबूर होकर नोएडा के सभी ट्रांसपोर्टर 25 अगस्त को चक्का जाम करने के लिए विवश हो जायेंगे।

एक दीप शहीदों के नाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा।नोएडा सेक्टर 82 के पॉकेट 7 आरडब्लूयूए द्वारा स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर एक दीप शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आरडब्लूयूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे के नेतृत्व में पॉकेट वासियों ने स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को दीप जलाकर नमन किया। इस दौरान सभी ने भारत माता की जय, वीर शहीद अमर रहे के नारे लगाए। इस अवसर पर बोलते हुए आरडब्लूयूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर कृतज्ञ राष्ट्र अपने वीर शहीदों के नाम दीप जलाकर उनको याद कर रहा है। स्वतंत्रता की खातिर अपने प्राणों का बलिदान देने वाले अमर शहीदों का यह देश हमेशा ऋणी रहेगा। उन सैनिकों को भी नमन करता हूँ जिन्होंने देश की सरहद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का उत्सर्ग कर दिया। देश की सेना वन्दनीय है जिनके कारण हम सभी सुरक्षित हैं। इस अवसर पर रवि राघव, रमेश चंद्र शर्मा, सुशील पाल, सुभाष शर्मा, देवमणि शुक्ल, हरी सिंह, नवल मिश्रा, अंगद तोमर, दिनेश पाठक, राजेश पाठक, प्रकाश जोशी, धीरज कन्याल , बॉबी चौहान, अनूप शर्मा, देव बिष्ट,अभय पांडेय सहित कई पॉकेट वासी मौजूद रहे।

करैली की सड़कों पर मदरसे के बच्चों की तिरंगा यात्रा ने भरी रंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रयागराज 78वें स्वतंत्रता दिवस पर करैली की सड़कों पर गौस नगर इलाक़े में स्थित एक मदरसे के बच्चों ने तिरंगा यात्रा निकाली। जहां देश भर में झंडारोहण के कार्यक्रमों में व्यस्तता थी, वहां मदरसे के बच्चे उत्साह के साथ तिरंगा लहराते हुए सड़कों पर मार्च करते दिखे। उनकी यह यात्रा स्वतंत्रता संग्राम की याद दिलाते हुए लोगों में देशभक्ति का उत्साह बढ़ा। बच्चों की इस यात्रा ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक खास रंग भर दिया।

बॉलीवुड/टेली मसाला

जिस थाली में खाते उसी में छेद करते जया बच्चन के बयान से भड़क गए थे रणवीर शौरा 4 साल बाद दी सफाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड में भाई-भतीजावाद यानी नेपोटिज्म का मुद्दा कोई नया नहीं है। फिल्मी सितारों

पर सिर्फ अपने बच्चों या करीबियों को लॉन्च करने का आरोप लगाया जाता रहा है, काबिल होने के बावजूद आउटसाइडर्स काम के लिए तरसते हैं। 2020 में जब नेपोटिज्म का मुद्दा चरम पर था, तब अभिनेत्री और सांसद जया बच्चन ने भी संसद भवन में इसके खिलाफ एक बयान दिया था।बिग बॉस ओटीटी 3 फेम रणवीर शौरी इन दिनों चर्चा में हैं। अनिल कपूर के द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो में रणवीर सेकंड रनर-अप बने। शो से निकलने के बाद से ही रणवीर अपनी लाइफ से जुड़े कई खुलासे कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने चार साल पुराने ट्वीट का जिक्र किया जिसके तार जया बच्चनसे जुड़े हैं जया बच्चन ने संसद भवन में नेपोटिज्म के खिलाफ बोलने वालों को लताड़ लगाते हुए कहा था, जिस थाली में खाते हो उसी में छेद करते हो उनका ये बयान खूब चर्चा में रहा था। उस वक्त रणवीर शौरी जया की बातों से इतना भड़क गए थे कि उन्होंने भी ट्वीट किया था। अब रणवीर शौरी ने अपने चार साल पुराने ट्वीट को लेकर सफाई दी है। एक हालिया इंटरव्यू में उन्होंने इस मुद्दे पर बात की है। सिद्धार्थ कनन्न के साथ बातचीत में रणवीर शौरी ने कहा, ठमैंने जया जी की टिप्पणी पर ऐसा नहीं कहा था, उन्होंने उस समय जो कुछ भी कहा वह इंटरनेट पर छा गया था। हर कोई उस थाली के बारे में बात कर रहा था। इसलिए मैंने भी अपनी राय दी, लेकिन यह उनके जवाब में नहीं था। मुझे यह लिखते हुए बहुत गुस्सा आया होगा। पहले भी लोगों ने मुझसे कहा है कि मैं सोशल मीडिया पर काफी मोटिवेट होकर लिखता हूं। इसलिए शायद पीछे हट जाना बेहतर है रणवीर शौरी ने आगे कहा, ठआज अगर मुझे यही बात कहनी पड़े। तो शायद मैं इसे इतने सारकास्टिक तरीके से जाहिर नहीं करूंगा। मुझे इस पर इतना गुस्सा होने की जरूरत नहीं थी। मैंने ये तब लिखा है जब मेरे अंदर वो गुस्सा पनप रहा था, बॉलीवुड में दोहरा व्यवहार किया गया। इसलिए मुझे लगता है कि यह मेरा गुस्सा व्यक्त करता है।जया बच्चन के 'जिस थाली में खाते हो उसी में छेद करते हो' वाले स्टेटमेंट से रणवीर शौरी बहुत खफा हुए थे। उन्होंने अभिनेत्री का बयान वायरल होने के बाद एक्स पर एक ट्वीट किया था। इसमें उन्होंने लिखा था,थालियां सजाते हैं यह अपने बच्चों के लिए। हम जैसों को फेंके जाते हैं सिर्फ टुकड़े। अपना टिफिन खुद पैक करके काम पर जाते हैं हम। किसी ने कुछ दिया नहीं है। जो है, वो है जो यह लोग हमसे ले नहीं सके। इनका बस चलता तो वो भी अपने ही बच्चों को दे देते।

कौन हैं खेल खेल मे की 'नैना' हॉटनेस में दिशा पाटनी को टक्कर देती हैं प्रज्ञा जायसवाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, एमी विर्क स्टारर फिल्म 'खेल खेल में' ने सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनी इस फिल्म में इन जॉन की वेदा और अक्षय कुमार की खेल खेल में भी शामिल रही। अक्षय-तापसी की फिल्म को लोगों ने मिला-जुला रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसके साथ ही इस फिल्म में नजर आई प्रज्ञा जायसवाल ने भी यह मूवी बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। अब वह 'खेल खेल में' नजर आई हैं, ऐसे में देखना होगा कि लोग उन्हें इस फिल्म में कितना पसंद करते हैं। 36 साल की प्रज्ञा जायसवाल

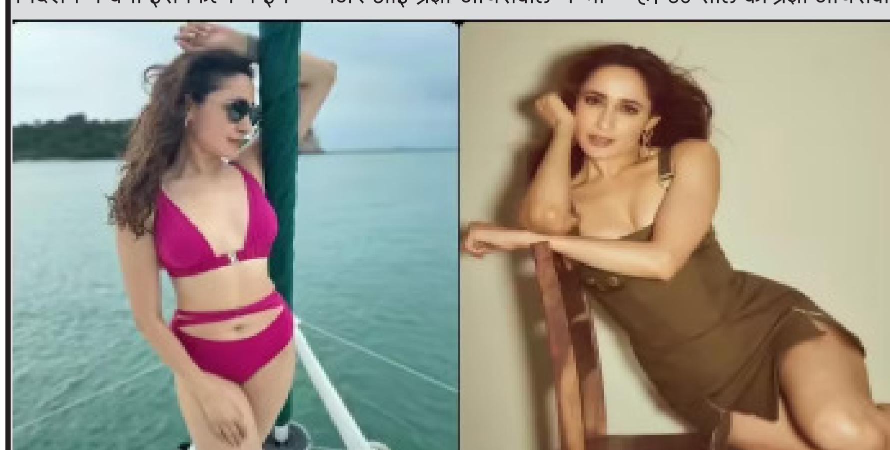

स्टार्स के अलावा वाणी कपूर, आदित्य सील, प्रज्ञा जायसवाल, फरदीन खान भी लीड रोल में दिखाई दिए हैं। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला है तापसी और वाणी के अलावा फिल्म 'खेल खेल में' में प्रज्ञा जायसवाल ने भी नैना का किरदार निभा कर लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। ऐसे में अब फैंस यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि आखिर ये प्रज्ञा जायसवाल है कौन। चलिए जानते हैं उनके बारे में। स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त के दिन सिनेमाघरों में कई फिल्मों ने एक साथ दस्तक दी। इसमें श्रद्धा कपूर की स्त्री 2 लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। एक्ट्रेस प्रज्ञा जायसवाल साउथ का एक जाना-माना नाम है। उन्होंने तेलुगु की कई फिल्मों में काम कर फैंस के दिलों में अपनी जगह बनाई है। एक्ट्रेस ने साल 2014 में तमिल फिल्म 'विराट्टू' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने नन्दमुरी बालकृष्ण के साथ 'अखंड', वरुण तेज के साथ 'कांचे' और 'जय जानकी नायक', 'गुट्रोडु', 'नक्षत्रंम' समेत कई फिल्मों में बड़े-बड़े स्टार्स के साथ काम किया है। वहीं, उन्होंने हिंदी फिल्म 'टीटू एमबीए' में भी काम किया, जिसमें उनके साथ निशांत दाहिया लीड रोल में दिखाई दिए थे। हालांकि, रियल लाइफ में भी बहुत खूबसूरत हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और वहां अपनी हॉट फोटोज शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस की इन फोटोज में देखा जा सकता है कि वह अपने किलर लुक से फैंस के दिलों पर बिजलियां गिराने का काम कर रही हैं। ऐसे में यह कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा कि प्रज्ञा हॉटनेस के मामले में दिशा पाटनी हो या कोई अन्य टाउन एक्ट्रेसेज किसी से कम नहीं हैं। इंस्टाग्राम पर देखा जा सकता है कि बिकिनी में हो या एथनिक लुक में एक्ट्रेस की तमाम फोटोज इंटरनेट पर तबाही मचाने के लिए काफी हैं।

गोपी बहू' के घर आने वाला है नन्हा मेहमान, अन्दतार्ही देवोलीना भट्टाचार्जी ने किया पहली प्रेग्रेंसी एलान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टीवी सीरियल साथ निभाना साथिया में गोपी बहू का किरदार निभाने वालीं एक्ट्रेस देवोलीना भट्टाचार्जी को भला कौन नहीं जानता। आजादी के खास पर्व

पर उन्होंने अपने चाहने वालों को एक बड़ी खुशखबरी देते हुए, पहली प्रेगनेंसी का एलान कर दिया है। देवोलीना ने अपने पति शहनवाज शेख के साथ लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर करते हुए खुद के प्रेगनेंट होने की जानकारी दी है। इसके साथ ही उन्होंने फैमिली संग मिलकर एक खास तरह की रस्म को भी निभाया है। जिसकी फोटो अब सामने आ गई हैं। छोटे पर्दे की मशहूर एक्ट्रेस में शुमार देवोलीना भट्टाचार्जी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने फैंस को एक गुड न्यूज दी है। एक्ट्रेस ने अपनी पहली प्रेगनेंसी को लेकर सोशल मीडिया पर लेटेस्ट तस्वीरों को साझा किया है। एक्ट्रेस के चेहरे पर प्रेगनेंसी का ग्लो इन फोटो में साफ झलक रहा है। साथ ही देवोलीना अपने परिवार संग एक खास रस्म को भी अदा किया है।काफी समय से ये चर्चा चल रही थी कि देवोलीना भट्टाचार्जी प्रेगनेंट हैं और वह अपने पहले बच्चे को कुछ समय बाद ही जन्म देने वाली हैं। हालांकि इसकी कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई थी। ऐसे में अब 15 अगस्त 2024 को देवोलीना ने खुशी-खुशी मां बनने की घोषणा कर डाली है और अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर किया है। जिनमें अभिनेत्री के बेबी बंप की हल्की फुल्की झलक भी देखने को मिल रही है। दरअसल देवोलीना की ये फोटो एक फैमिली फंक्शन के दौरान की हैं, जिसमें एक्ट्रेस के बच्चे के जन्म से पहले एक खास रस्म का आयोजन किया गया है। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा है- इस तरह से देवोलीना के परिवार वालों ने उनकी प्रेगनेंसी को लेकर दिल खोलकर सेलिब्रेट किया है। हालांकि वह किस महीने में अपने पहले बच्चे को जन्म देंगी, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। बता दें कि साल 2022 में देवोलीना ने शहनवाज संग शादी रचाई थी। बिग बॉस में नजर आ चुकी हैं देवोलीना सिर्फ टीवी सीरियल साथ निभाना साथिया ही नहीं सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस को लेकर भी देवोलीना का नाम चर्चा में रहा है। बिग बॉस सीजन 14 में वह नजर आई थीं।

कौन बनेगा करोड़पति् के नए सीजन में अमिताभ बच्चन ने बढ़ाई अपनी फीस एक एपिसोड के ले रहे हैं करोड़ों

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।अमिताभ बच्चन का मोस्ट पॉपुलर शो 'कौन बनेगा करोड़पति' एक बार फिर छोटे पर्दे पर लौट

आया है। इस बार शो का 16वां सीजन देखने को मिल रहा है, जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे है। 12 अगस्त को रात 9:00 बजे इस शो का प्रीमियर हुआ।बिग बी ने 'जिंदगी है, हर मोड़ पर सवाल पूछेगी, जवाब तो देना होगा' वाली टैगलाइन के साथ अपने सवालों के दौर को शुरू किया था। इस बार भी शो में कुछ नया देखने को मिला। सुपर सवाल और दुगनास्त्र का कॉन्सेप्ट देखा गया। इसके अलावा धनराशि दोगुनी करने का कंटेस्टेंट का भी मौका मिलेगा। इन सबके बीच अब अमिताभ बच्चन की फीस को लेकर एक अपडेट सामने आया है।24 साल पहले यानी 2000 में अमिताभ बच्चन ने इस शो की शुरुआत की थी। बिग बी इस शो की शान और बान दोनों हैं। उन दिनों अभिनेता की फीस करीब 25 लाख थी, लेकिन अब काफी बदलाव हो चुका है। 16वें सीजन भारी-भरकम बजट के साथ अमिताभ बच्चन ने अपनी एक बार फिर से वापसी की है। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक, अमिताभ 'कौन बनेगा करोड़पति' का 16वें सीजन के लिए 5 करोड़ रुपये फीस ले रहे हैं।रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि 'कौन बनेगा करोड़पति' का चौथे सीजन में अमिताभ बच्चन ने अपनी फीस डबल कर ली थी। सीजन 4 के लिए उन्होंने 50 लाख फीस ली थी। छठे सीजन तक अमिताभ बच्चन की फीस 1.5 करोड़ रुपये हो गई थी।

50 दिन पूरे करने के करीब है कल्कि 2898 एडी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अगस्त के महीने की शुरुआत बॉक्स ऑफिस पर काफी धीमी हुई है। इस महीने की 2 तारीख को अजय देवगन की फिल्म 'औरों में कहां दम था' और जाह्नवी

कपूर की उलझ रिलीज हुई थी। प्रभास और दीपिका पादुकोण की कल्कि 2898 एडी और बैड न्यूज की दमदार कमाई के बाद फैंस को उम्मीद थी कि ये दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा बिजनेस करेंगी, लेकिन उनकी बॉक्स ऑफिस पर एक हफ्ते में ही हालत खस्ता हो गई।15 अगस्त को हर किसी को बेसब्री से इंतजार है क्योंकि इस दिन तीन बड़ी फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं। हालांकि उससे पहले फिलहाल चार फिल्में औरों में कहां दम था उलझ बैड न्यूज और कल्कि 2898 एडी सिनेमाघरों में लगी हुई हैं और बॉक्स ऑफिस पर अपनी धाक जमाई हुई है। इन सभी फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर फिलहाल क्या हाल है चलिए देखते हैं- इस वक्त सिनेमाघरों में औरों में कहां दम था और उलझ के अलावा कल्कि 2898 एडी और बैड न्यूज भी लगी हुई हैं। इन सभी फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर फिलहाल कैसा है हाल चलिए देखते हैं आंकड़े- प्रभास-दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन स्टारर कल्कि 2898 एडी का खुमार न तो लोगों के सिर से उतर रहा है और न ही बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म हार मान रही है। अब तक कई बड़े रिकॉर्ड्स अपने नाम करने वाली कल्कि 2898 एडी अभी भी मजबूती के साथ सिनेमाघरों में टिकी हुई है। फिल्म को थिएटर में लगे हुए 47 दिन पूरे हो चुके हैं और जल्द ही 'गदर 2' का रिकॉर्ड तोड़ते हुए ये मूवी 50 दिन भी पूरे कर लेगी। सैकनलिक.कॉम की रिपोट्र्स के मुताबिक, सोमवार को कल्कि ने तकरीबन हिंदी भाषा में 24 लाख का बिजनेस किया है। तेलुगु में फिल्म ने रिलीज के 47वें दिन 8 लाख का बिजनेस किया। इसके अलावा तमिल-तेलुगु और कनन्ड़ में भी फिल्म हर दिन 1-1 लाख का बिजनेस कर रही है। प्रभास की फिल्म की हिंदी में टोटल कमाई 292.54 करोड़, तमिल में 36.09, तेलुगु में 286.44, मलयालम में 24.19 और कनन्ड़ में 5.89 करोड़ तक पहुंच चुकी है। सभी भाषाओं में मिलाकर इंडियन बॉक्स ऑफिस पर मूवी की नेट कमाई 645.15 करोड़ तक हुई है, जबकि दुनियाभर में फिल्म ने 1040.9 करोड़ का बिजनेस किया है।

शर्लक होम को केके मेनन और रणवीर शौरी ने दिया बंगाली टच, पढ़ें- कौन किस रोल में

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। साहित्य की दुनिया ने कुछ प्रतिष्ठित काल्पनिक जासूसों को जन्म दिया है, जिनमें शर्लक होम और ब्योमकेश बख्शी जैसे काल्पनिक किरदार शामिल हैं। भारतीय मनोरंजन उद्योग में जासूसों की कहानी को कई बार डायरेक्टर रोहन सिप्पी की 'शेखर होम' 1990 के दशक के बैकड्रॉप पर बनी सीरीज है। एक ऐसा दौर, जो सादगी भरे अपने आकर्षण के लिए जाना जाता था। 'शेखर होम' की कहानी बंगाल के शांत शहर लोनपुर को लेकर बनी है। केके मेनन इस सीरीज के मेन

बड़े पर्दे पर उतारा गया है। ओटीटी पर भी इसे उकेरा गया है। हाल ही में 'बिग बॉस ओटीटी 3' के रणवीर शौरी की 'शेखर होम' ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दस्तक दी है। शेखर होम' हॉलीवुड के डिटेक्टिव शर्लक होम को देसी टच देती छह एपिसोड की वेब सीरीज है। इसका नाम शर्लक होम से 'शेखर होम' किया गया है, जिसमें शेखर का किरदार केके मेनन ने निभाया है और 'होम' का मतलब है कहानी का रुख, जो उनके घर से शुरू होता है। यह सीरीज 14 अगस्त से शुरू हो चुकी है। कैरेक्टर हैं, जो अपनी बुद्धि से बड़ी से बड़ी समस्या भी हल कर लेते हैं। यह शो 90 के दशक पर आधारित है इसलिए तकनीक का कुछ खास इस्तेमाल नहीं दिखाया गया है। रणवीर शौरी सेकंड लीड कैरेक्टर 'जयव्रत साहनी' को प्ले कर रहे हैं, जो डॉ. जॉन एच. वॉटसन का नया संस्करण है। साहनी, शेखर के घर रेंट पर रहने के लिए आता है। दोनों की एक दूसरे से अच्छी दोस्ती हो जाती है और एक दूसरे के सहयोगी बनकर दोनों पूर्वी भारत के रहस्यों को सॉल्व करने लग जाते हैं।

करण जौहर दूसरी बार कर रहे अनन्या पांडे को लॉन्च, थिएटर के बाद होगा ओटीटी डेब्यू

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। फिल्मों के बाद अब अनन्या पांडे ओटीटी पर कदम रखने जा रहे हैं। इस बार उन्हें लॉन्च किड्स को मौका देने के लिए जाने जाते हैं। अब तक उन्होंने कई स्टार्स को अपनी फिल्मों के जरिए लॉन्च किया है। हालांकि अब उन्होंने

करने के लिए करण जौहर साथ आए हैं, जो अब तक कई स्टार किड्स को डेब्यू करने का मौका दे चुके हैं। अमेजन प्राइम वीडियो ने अनन्या पांडे और करण जौहर के शो का नया वीडियो जारी किया है, जिसमें एक्ट्रेस अपने किरदार को लेकर बात करते हुए दिख रही हैं। अनन्या पांडे और करण जौहर के इस ओटीटी शो का नाम कॉल मी बे है। वीडियो में दोनों लॉन्च को लेकर बातचीत करते हैं। करण उन्हें लॉन्च करने की बात कहते हैं, जिस पर अनन्या कहती हैं कि वो तो उन्हें पहले ही लॉन्च कर चुके हैं।करण जौहर बॉलीवुड में स्टार्स ओटीटी की तरफ अपना रुख कर लिया है। इसके साथ ही वो अनन्या पांडे को लॉन्च करने जा रहे हैं। करण जौहर एक्ट्रेस को कॉल मी बे नाम की सीरीज के साथ ओटीटी पर लॉन्च कर रहे हैं। करण जौहर इसके बाद अपनी फिल्म कुछ कुछ होता है के मशहूर डायलॉग को बोलते हुए कहते हैं कि हम एक बार जीते हैं, एक बार मरते हैं, शादी भी एक बार होती है, लेकिन लॉन्च तो बार-बार हो सकता है। डार्लिंग वो बॉलीवुड लॉन्च था, ये ओटीटी लॉन्च है। इसके बाद दोनों एक्ट्रेस के किरदार को लेकर बात करते हैं। इस मजेदार वीडियो में करण आगे कहते हैं कि अनन्या प्राइम वीडियो पर अपना ओटीटी डेब्यू करेंगी। इसके बाद अनन्या पांडे जब अपने किरदार के बारे में पूछती हैं, तो जवाब में करण कहते हैं कि वो कुछ नया और चुनौतीपूर्ण होगा। एक ऐसा रोल, जो तुमने जिंदगी में नहीं किया, लेकिन अनन्या एक आम इंसान का रोल निभाने की इच्छा जताती हैं। इस पर वो अनन्या को बताते हैं कि उनका किरदार एक ऐसी अमीर लड़की का होगा, जो सब कुछ खो देती हैं और उसे मुंबई आकर हर चीज के लिए संघर्ष करती है। इसके बाद 'कॉल मी बे' की एक झलक भी देखने को मिलती है। कॉल मी बे धर्माटिक एंटरटेनमेंट के प्रोडक्शन में बनी है। प्रोड्यूसर्स की लिस्ट में करण जौहर के साथ अपूर्व मेहता और सोमे मिश्रा का नाम शामिल है। इस सीरीज को इशिता मोइत्रा, समीना मोटलेकर और रोहित नायर ने लिखा है। वहीं, कोलिन डी कुन्हा ने इसका निर्देशन किया है। कॉल मी बे में 8 एपिसोड्स होंगे और अनन्या पांडे मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। सीरीज में उनके साथ वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समट, मुस्कान जाफरी, निहारिका लारा दत्त, लीजा मिश्रा, और मिनी माथुर जैसे कलाकार भी शामिल हैं। कॉल मी बे प्राइम वीडियो पर 6 सितंबर से स्ट्रीम होगी।

नेटफ्लिक्स की द रॉयल्स को यूजर्स ने बताया देसी ब्रिजर्टन लीड से ज्यादा जीनत और साक्षी ने खींचा ध्यान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अपकमिंग वेब सीरीज 'द रॉयल्स' ने अपने कास्ट की घोषणा कर दी है। जिसमें बॉलीवुड के कई बड़े सितारे शामिल हैं। सीरीज में भूमि पेडनेकर और ईशान खट्टर लीड रोल में शामिल हैं। 'द रॉयल्स' का वीडियो आते ही सोशल मीडिया पर इसे 'देसी ब्रिजर्टन' का टैग मिलने लगा, जो कि नेटफ्लिक्स की पॉपुलर इंग्लिश वेब सीरीज है। सितारों से सजी कास्ट, ग्लैमर, रोमांस और साजिश की कहानी लिए द रॉयल्स एक दिलचस्प सीरीज होने का वादा करती है। नेटफ्लिक्स की 'द रॉयल्स' 8 एपिसोड की सीरीज होने वाली है, जिसकी रिलीज डेट की घोषणा अभी नहीं की गई है। फिलहाल के लिए मेकर्स ने सिर्फ स्टार कास्ट से पर्दा

उठाया है।'द रॉयल्स' में ईशान खट्टर और भूमि पेडनेकर के बीच रोमांस देखने को मिलेगा। इनके अलावा सीरीज में जीनत अमान, नोरा फतेही, चंकी पांडे, साक्षी तंवर, डिनो मोरिया और मिलिंद सोमन जैसे बड़े नाम शामिल हैं। प्रियंका घोष और नूपुर अस्थाना ने डायरेक्शन किया है। 'द रॉयल्स' एक रोमांटिक कॉमेडी सीरीज है, जो भारतीय राजघरानों की कहानी की एक झलक पेश करेगी। 'द रॉयल्स' में शाही परिवारों की भव्यता, रॉयल्टी, राजनीति और रिश्तों की जटिलताओं को दिखाया जाएगा। 'द रॉयल्स', वीडियो रिलीज होने के साथ ही लोगों का ध्यान खींचा रही है। कुछ लोगों ने सीरीज को लेकर एक्साइटमेंट जाहिर किया, तो वहीं कुछ ने इसे ब्रिजर्टन की कॉपी बताया। 'द रॉयल्स' के वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने कहा, जीनत अमान और साक्षी तंवर, दो सबसे ग्रेसफुल एक्ट्रेसेस। इन्हें देखने के लिए एक्साइटेड हूं। एक अन्य यूजर ने कहा, देसी ब्रिजर्टन बनाने की कोशिश। जीनत अमान और साक्षी तंवर के अलावा सीरीज की स्टार कास्ट में सबसे ज्यादा ध्यान नोरा फतेही ने खींचा।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।